हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-316, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, शनिवार 02 मई 2026

समाजवादी मजदूर सभा ने मजदूरों को किया सम्मानित...02

बीकेटी अकोहरी गौशाला में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस...06

आज से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 994 तक महंगा

बंद पड़े पीएफ अकाउंट ट्रैक करने आएगा ई-प्राप्ति पोर्टल

तेल कंपनियों ने 2025-26 में रोजाना 116 करोड़ मुनाफा कमाया

मजदूर दिवस पर योगी ने श्रमवीर गौरव समारोह का किया शुभारंभ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मजदूर दिवस पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण में श्रमिक शिल्पकार हैं। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के उत्थान के लिए उठाए गए विभिन्न कल्याणकारी उपायों को रेखांकित किया। श्रमवीर गौरव समारोह-2026 की शुरुआत के अवसर पर लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि श्रमिक विषम परिस्थितियों में भी अथक परिश्रम करते हैं और उनका योगदान राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीएम योगी ने कहा, हमारा श्रमिक गर्मी, बरसात, लू कुछ किसी भी परिस्थिति में काम करता है और वह न रुकता है, न थकता है, न डिगता है। आपके पसीने की एक एक बूंद जब इस धरती पर पड़ती है, तो यह धरती माता सोना उगलने का काम भी करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, श्रमिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के निर्माता हैं। उ न्होंने कहा कि पहले यह एक विरोधाभास था कि दूसरों के लिए घर बनाने वाले मजदूरों के पास अपना घर नहीं था। योगी आदित्यनाथ ने कहा, जिन्होंने दूसरों के लिए घर और शौचालय बनाए, उनके पास अक्सर ऐसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में सरकारों ने इन मुद्दों के समाधान के लिए काम किया है। कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, पिछले 12 वर्षों में देश भर में लगभग चार करोड़ घर उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में 65 लाख शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, गरीबों को मिलने वाला राशन पहले लोग चट कर जाते थे। कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों की आलोचना की और आरोप लगाया कि वे संकट के दौरान अनुपस्थित थे, जबकि डबल इंजन सरकार ने राज्य में लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों की सहायता सुनिश्चित की। उन्होंने कहा, याद करिए इस सदी की सबसे बड़ी त्रासदी आई थी, कोरोना कालखंड में, ये जितने विपक्षी नेता हैं ना, ये सब रजाई तान करके सब अपने-अपने घरों में छुप गए थे, कोई दिखाई नहीं देता था।

जब उत्तर प्रदेश का कामगार और श्रमिक अन्य राज्यों को छोड़ करके प्रदेश में वापस आ रहा था, तब न कांग्रेस थी न सपा थी न बसपा थी न कोई और दल था, तब केवल और केवल डबल इंजन सरकार थी, मोदी जी थे और उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार, हमारे अधिकारी व कर्मचारी उनकी सहायता के लिए कार्य कर रहे थे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में राज्य में रोजगार के अवसर काफी बढ़े हैं, लगभग तीन करोड़ लोगों को एमएसएमई क्षेत्र में काम मिला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उद्योगों की संख्या 2017 से पहले लगभग 14,000 थी जो अब बढ़कर 32,000 से अधिक हो गई है, जिससे 65 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने श्रम और सेवायोजन विभाग से कहा है कि नए वेज बोर्ड गठित करिए...। और कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों को सालाना 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा लाभ प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित पहल से राज्य के लगभग पांच करोड़ लोगों को दायरे में लाने और लगभग एक करोड़ श्रमिक परिवारों को लाभान्वित करने का प्रयास है।

योगी आदित्यनाथ ने रेखांकित किया कि एक संवेदनशील सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि श्रमिक शासन में प्राथमिकता बनें और उन्हें उचित सम्मान और कल्याण सहायता मिले।

बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर पीएम मोदी ने की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं की शाश्वत प्रासंगिकता एवं समाज में सद्भाव को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर बल दिया। मोदी ने एक्स पर एक संदेश में कहा, ष्बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान बुद्ध के आदर्शों को साकार करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता बहुत दृढ़ है। उनके विचार हमारे समाज में आनंद एवं एकता की भावना को मजबूत करें। उन्होंने अपने बयानों से इस बात पर प्रकाश डाला गया कि सरकार शांति, करुणा एवं एकता जैसे मूल्यों को बढ़ावा देने पर लगातार बल दे रही है जो बौद्ध दर्शन के केंद्र में हैं। बुद्ध पूर्णिमा को वैशाख पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है जो कि गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति एवं महापरिनिर्वाण का प्रतीक है भारत में इस दिन का विशेष महत्व है क्योंकि बुद्ध के जीवन से जुड़े कई स्थल, जिनमें बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर शामिल हैं।

बरगी डैम क्रूज हादसा, मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हुई

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, पर्यटन मंत्री बोले, घटना की कराई जाएगी विस्तृत जांच

जबलपुर, एजेंसी। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध में क्रूज नाव पलटने की घटना में मृतकों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर नौ हो गई। अधिकारियों ने बताया कि डूबी हुई नाव से पांच और शव बरामद किए गए हैं, जबकि छह अन्य लोगों की तलाश अभी जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें लापता लोगों की तलाश में अभियान तेज कर रही हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा, बृहस्पतिवार को चार शव मिले थे, जबकि शुक्रवार तड़के बचाव अभियान के दौरान पांच और शव बरामद हुए, जिससे मृतकों की संख्या नौ हो गई। उन्होंने कहा कि घटना की विस्तृत जांच कराई जाएगी और एक जीवित बचे व्यक्ति द्वारा लाइफ जैकेट के मुद्दे को उठाने की भी पड़ताल की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा बृहस्पतिवार शाम नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध में अचानक आए तूफान के दौरान हुआ, जिससे क्रूज नाव पलट गई। जबलपुर के पुलिस उप महानिरीक्षक अतुल सिंह ने कहा कि आशंका है कि कुछ शव अभी भी नाव के भीतर फंसे हो सकते हैं, लेकिन कम दृश्यता के कारण सटीक स्थिति का पता लगाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें संयुक्त रूप से बचाव और तलाश अभियान चला रही हैं। इसके अलावा जल संसाधन और लोक निर्माण विभाग के साथ-साथ पास स्थित एक जल संयंत्र की निर्माण एजेंसी भी तकनीकी सहयोग दे रही है। सिंह ने बताया कि स्थानीय निर्माण एजेंसी के कर्मचारियों ने सबसे पहले मौके पर पहुंचकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और नाव से निकलकर बाहर आए लोगों को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाने में मदद की। उन्होंने कहा कि जब तक नाव के अंदर की पूरी तरह से जांच नहीं हो जाती और यह सुनिश्चित नहीं कर लिया जाता कि कोई और शव नहीं बचा है।

शाह के लद्दाख दौरे पर कांग्रेस ने साधा निशाना ऐतिहासिक बौद्ध अवशेषों का किया जिक्र

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संचार विभाग प्रभारी जयराम रमेश ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लद्दाख दौरे को लेकर प्रतिक्रिया में कहा कि श्री शाह शुक्रवार को पिपरहवा के बौद्ध अवशेषों की महिमा में व्यस्त हैं, जबकि लद्दाख के लोगों की राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची का दर्जा और भूमि एवं रोजगार की सुरक्षा जैसी अहम मांगों पर चुप्पी साधे हुए हैं। श्री रमेश ने कहा कि लद्दाख में इस तरह के धार्मिक और ऐतिहासिक प्रदर्शनों का एक लंबा इतिहास रहा है, जिससे गृह मंत्री शायद अनभिज्ञ हैं। उन्होंने 14 जनवरी 1949 की एक ऐतिहासिक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि उस दिन भगवान बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों सारिपुत्र और महा मोग्गलान के पवित्र अवशेष, जिन्हें 1851 में विक्टोरिया और अलबर्ट संग्रहालय ले गए थे, उन्हें वापस भारत लाया गया था। इन अवशेषों को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने प्राप्त कर महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया को कोलकाता में सौंपा था। कांग्रेस नेता के अनुसार, 1949 में ही श्री नेहरू ने लद्दाख का चार दिवसीय दौरा किया था। इस दौरान प्रतिष्ठित बौद्ध नेता कुशोक बकुला रिनपोछे ने उनसे आग्रह किया था कि इन अवशेषों को लद्दाख भी लाया जाए। उन्होंने कहा कि यह पहल मई 1950 में साकार हुई, जब इन पवित्र अवशेषों को 79 दिनों तक पूरे लद्दाख में प्रदर्शित किया गया। इसके बाद इन्हें यांगून, कोलंबो और सांची में स्थापित किया गया।

बंगाल के 15 मतदान केंद्रों पर फिर डाले जाएंगे वोट

ईसी ने कहा, 2 मई को होगा पुनर्मतदान

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर और मगरा हाट पश्चिम क्षेत्रों के 15 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है। आयोग के निर्देशानुसार इन सभी केंद्रों पर 2 मई को दोबारा मतदान कराया जाएगा। मतदान सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक होगा। इन 15 मतदान केंद्रों में 143-डायमंड हार्बर एसी के चार और 142-मगराहाट पश्चिम एसी के 11 मतदान केंद्र शामिल हैं, जहां पर फिर से शनिवार को वोटिंग होगी। आयोग ने यह फैसला मतदान के दौरान मिली शिकायतों और अनियमितताओं की रिपोर्ट के आधार पर लिया है। जिन बूथों पर गड़बड़ी की आशंका जताई गई थी। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों के लिए पहले चरण में 152 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान हुआ था, जबकि दूसरे चरण के तहत 29 अप्रैल को 142 सीटें पर वोट डाले गए थे। विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। दोनों चरणों में राज्य में जमकर वोटिंग हुई थी। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण में 93.19 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई थी, वहीं दूसरे चरण में भी 92.67 फीसदी वोटिंग हुई थी। इसी के साथ बंगाल में वोटिंग का कुल औसत 92.93 फीसदी से ज्यादा पहुंच गया, जो कि देश में किसी राज्य में मतदान का नया रिकॉर्ड है। राज्य में मतगणना से पहले सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि स्ट्रॉन्ग रूम की चौबीसों घंटे सीसीटीवी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ईवीएम जिन स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई हैं, वहां लगातार निगरानी हो रही है और आम लोग भी बाहर से लगे मॉनिटर के जरिए स्थिति देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिना ठोस कारण और सबूत के आरोप लगाना उचित नहीं है। जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे निराधार हैं।

दिल्ली में स्कूलों की मनमानी पर रोक

एडवांस फीस वसूली पर लगा प्रतिबंध, अब हर महीने ही लेनी होगी पेमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा निदेशालय ने राष्ट्रीय राजधानी के सभी निजी, गैर-सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त स्कूलों को निर्देश दिया है। अब स्कूलों को फीस सख्ती से हर महीने ही लेनी होगी। नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। निदेशालय ने 30 अप्रैल के अपने आदेश में बताया कि उसे अभिभावकों से कई शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों में कहा गया था कि कुछ स्कूल दो महीने, तिमाही या अन्य अग्रिम आधार पर फीस देने के लिए मजबूर कर रहे थे। इससे परिवारों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ पड़ रहा था। इस निर्देश में दोहराया गया है कि स्कूल एक किस्त में एक कैलेंडर माह से अधिक की फीस का भुगतान अनिवार्य नहीं कर सकते। यह कदम पहले के निर्देशों और दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के अनुरूप है। उच्च न्यायालय ने फीस संग्रह को अभिभावकों के लिए सुविधाजनक और उचित बनाने पर जोर दिया था। हालांकि, अभिभावक अपनी इच्छा से एक माह से अधिक की फीस एक साथ जमा कर सकते हैं। इसके लिए उन पर कोई दबाव या प्रलोभन नहीं होना चाहिए। आदेश में कहा गया है कि कोई भी स्कूल प्रवेश, निरंतर नामांकन या किसी भी छात्र सेवा के लिए अग्रिम फीस भुगतान को शर्त नहीं बनाएगा। सभी स्कूलों को इस आदेश को अपनी सूचना पट्टियों पर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा।

सुप्रीम-कोर्ट ने पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी

कहा, बिना बताए भारत न छोड़ें, कांग्रेस बोली- खेड़ा को डराने के लिए 60 पुलिसकर्मी भेजे गए

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी। मामला असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका में 50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ये आरोप लगाए थे। इसके बाद रिनिकी भुइयां सरमा ने पवन के खिलाफ गुवाहाटी में एफआईआर दर्ज कराई थी इसके बाद 7 अप्रैल को असम पुलिस ने खेड़ा के दिल्ली स्थित घर पर रेड की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा- आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रभावित लगते हैं। लेकिन पवन खेड़ा को असम पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा और वे बिना अदालत की अनुमति के भारत नहीं छोड़ सकते। कोर्ट के फैसले के बाद जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पर कहा- 60 पुलिसवालों को खेड़ा के घर पर भेज दिया। भारी संख्या में पुलिस भेजने का कारण सिर्फ डराना और उत्पीड़न करना था। कोर्ट की सुनवाई खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री को तीन पन्नों में कोट किया है। ऐसी कई बातें हैं जो न न्यायालय कोट कर सकता है और न हम यहां बोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में असम के मुख्यमंत्री को सोचना चाहिए कि क्या एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ये शोभा देता है? हम चाहते हैं कि असम के मुख्यमंत्री इस बारे में गंभीरतापूर्वक विचार कर खेद व्यक्त करें। कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद असम सीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि- मुझे किसी से भी लोकतंत्र पर सबक सीखने की जरूरत नहीं है। इस केस में असली मुद्दा यह है कि एक महिला की छवि को राष्ट्रीय स्तर पर उछाला गया, जिसका राजनीति से कुछ लेना-देना नहीं है।

लद्दाख के लोगों की मांग पर चुप हैं शाहः कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह के लद्दाख दौरे को लेकर शुक्रवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पिपरहवा अवशेषों की महिमा में मग्न हैं, लेकिन वह लद्दाख के लोगों की राज्य के दर्जे, संविधान की छठी अनुसूची के तहत संरक्षण प्रदान करने तथा भूमि एवं रोजगार की सुरक्षा संबंधी मांगों पर चुप हैं। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा जुलाई 1949 में किए लद्दाख दौरे का भी जिक्र किया। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, गृह मंत्री आज लद्दाख में पिपरहवा अवशेषों की महिमा में मग्न हैं लेकिन वह वहां के लोगों की राज्य के दर्जे, संविधान की छठी अनुसूची के तहत दर्जा तथा भूमि एवं रोजगार की सुरक्षा की मांगों पर चुप हैं। रमेश ने कहा कि शाह को लद्दाख में पहले हुए ऐसे आयोजनों की जानकारी नहीं होगी।

पंजाब विधानसभा में जमकर हंगामा, भगवंत मान पर शराब पीकर आने का आरोप

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में विपक्ष ने मुख्यमंत्री मान पर शराब पीकर विधानसभा में आने का आरोप लगाया है। एक वीडियो भी एक्स पर पोस्ट किया गया है। आरोप है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान नशे की हालत में विधानसभा को संबोधित कर रहे हैं। कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल ने एक सुर में सीएम मान के खिलाफ जांच की मांग उठाई है। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक परताप सिंह बाजवा ने इसको लेकर पंजाब विधानसभा स्पीकर को पत्र लिखा है। बाजवा ने मांग की है कि सदन में मौजूद सभी सदस्यों समेत मुख्यमंत्री का डोप टेस्ट होना चाहिए। उन्होंने कहाकि इस जांच के दायरे में ट्रेजरी बेंच और विपक्ष के सभी विधायकों को भी शामिल किया जाए। हाल में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुई, राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने मान पर लोकतंत्र के मंदिर का अपमान का आरोप लगाया है। बाजवा ने कहा है कि ऐसे सदन में हिस्सा लेने का क्या मतलब, जहां पर प्रदेश का मुखिया नशे की हालत में पहुंचा हो। परताप बाजवा ने स्पीकर को संबोधित करते हुए पत्र में लिखा है कि मैं आपका ध्यान एक गंभीर समस्या की तरफ आकर्षित कराना चाहता हूं, जो सदन की गरिमा के लिए बेहद चिंताजनक है। इसके मुताबिक वर्तमान सत्र के दौरान विधायक सुखपाल सिंह खैरा ने मुख्यमंत्री के व्यवहार को लेकर मुद्दा उठाया है।

सुवेंदु अधिकारी कोलकाता के ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में पहुंचे

ममता यहीं 4 घंटे रुकी थीं, बंगाल में 15 बूथ पर कल दोबारा वोटिंग

कोलकाता, एजेंसी। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार शाम 6.30 बजे कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल में ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। वे यहां करीब 10 मिनट रुके। इसी स्ट्रॉन्ग रूम में गुरुवार रात को सीएम ममता बनर्जी 4 घंटे बैठी रही थीं। दरअसल टीएमसी ने चुनाव अधिकारियों पर बिना सूचना दिए ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम खोलने, ईवीएम से छेड़छाड़ और वहां संदिग्ध लोग मौजूद होने के आरोप लगाए हैं। वहीं चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 15 बूथों पर शनिवार को दोबारा वोटिंग कराने का फैसला किया है। दरअसल 29 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान डायमंड हार्बर के 4 और मगराहट पश्चिम के 11 बूथों पर हिंसा, ईवीएम से छेड़छाड़ और झड़प हुई थी। उधर, कोलकाता के सात ईवीएम स्ट्रॉन्गरूम में सिक्योरिटी सख्त कर दी गई है। पुलिस ने 200 मीटर के दायरे में 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकठ्ठा होने पर रोक लगा दी है। सेंट्रल ऑर्म्ड पुलिस फोर्सेस (सीएपीएफ) की करीब 700 कंपनियां तैनात की गई हैं। प्रशासन ने यह फैसला खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर गुरुवार रात टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के 5 घंटे विरोध-प्रदर्शन के बाद लिया गया है। सीएम ममता बनर्जी करीब 8 बजे सखावत मेमोरियल गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल के स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचीं और लगभग 4 घंटे अंदर रहीं थीं।

मौसम उपडेट

हिमाचल में ग्लेशियर टूटकर सड़क पर गिरा, राजस्थान-महाराष्ट्र में पारा 44 डिग्री सेलसियस पार

यूपी-बिहार-कर्नाटक में 2 दिन में आंधी-बारिश से 32 मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले 15 दिन से भीषण गर्मी झेल चुके देश के बड़े हिस्से में गुरुवार को तेज हवाओं के साथ बारिश से कुछ राहत मिली। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, झारखंड में आंधी-बारिश और ओले गिरने से तापमान में 3-5 डिग्री सेलसियस तक की गिरावट हुई। यूपी में गुरुवार को पिछले दो दिनों के दौरान आंधी-बारिश से 17 लोगों की मौत हो गई। बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। कर्नाटक के बेंगलुरु में बुधवार रात तेज बारिश और आंधी के दौरान हुई अलग-अलग घटनाओं में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह में गुरुवार को पहाड़ से ग्लेशियर टूटकर अचानक सड़क पर गिर गया। इस दौरान वहां सड़क से बर्फ हटाने में जुटे कर्मचारी और मजदूरों ने भागकर किसी तरह जान बचाई। हालांकि, राजस्थान और महाराष्ट्र में गर्मी से कोई राहत नहीं मिली है। गुरुवार को महाराष्ट्र का चंद्रपुर देश में सबसे गर्म जगह रही। यहां तापमान 44.6 डिग्री सेलसियस दर्ज हुआ। राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर में 44 डिग्री सेलसियस तापमान रहा। यूपी के ज्यादातर शहरों में शुक्रवार सुबह से बादल छाए हैं। तेज हवाएं चल रही हैं। गोरखपुर में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने राज्य के 62 जिलों में आंधी और बिजली गिरने की संभावना जताई है। पिछले 2 दिनों के दौरान राज्य में आंधी-बारिश से 17 लोगों की मौत हो चुकी है। बिहार के कई जिलों में शुक्रवार को भी आंधी के साथ तेज बारिश जारी है।

दिल्ली में अप्रैल के दौरान 18 सालों में सबसे ज्यादा बारिश

दिल्ली में गुरुवार को कई इलाकों में बारिश, तेज हवा और ओले गिरे। इससे तापमान 8 से 15 डिग्री सेलसियस तक गिर गया। पालम में तापमान 39 से गिरकर 28 डिग्री हो गया। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में इस साल अप्रैल के दौरान 18 साल में सबसे ज्यादा 27.9 मिमी बारिश हुई। इससे पहले अप्रैल 2008 में 38.6 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

समाजवादी मजदूर सभा ने मजदूरों को किया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

जौनपुर। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर समाजवादी मजदूर सभा के तत्वाधान में प्रिंस ईट उद्योग, लाला बाजार (ईट भट्ठा) पर कार्यरत मजदूरों को सम्मानित करने हेतु एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी मजदूर सभा के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अजय यादव, राष्ट्रीय सचिव समाजवादी मजदूर सभा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव विशाल कनौजिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सादिक अली, रमाशंकर चौहान, धीरज सिंह, धीरेंद्र सिंह, राजबहादुर यादव, अच्छेलाल यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी श्रमिकों का माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में मिष्ठान वितरण भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री अमित यादव जी ने समस्त मजदूरों को मजदूर दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए इतिहास में बड़े संघर्ष हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 8 घंटे कार्य का कानून लागू हुआ। लेकिन मजदूर विरोधी मोदी सरकार ने उद्योगपतियों के हित का ध्यान रखते हुए मजदूरों से 12 घंटे काम लेने का कानून बनाकर लेकर उनके अधिकारों का हनन कर रही है, जिसका समाजवादी मजदूर सभा पुरजोर विरोध करती है। यादव ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी की सोच है कि समाज के हर वर्ग को समान भागीदारी मिले। इसी क्रम में ईट भट्ठों पर कार्य करने वाली महिला श्रमिक को भी संसद तक पहुंचाने के उद्देश्य से ओबीसी, एससी, एसटी एवं अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा उठाई गई है। आज मजदूर दिवस के दिन समाजवादी मजदूर सभा की मांग हैं कि कुछ दिनों पूर्व हुए मजदूर आंदोलन में गिरफ्तार हुए मजदूरों और मजदूर नेताओं को जल्द से जल्द रिहा किया जाए। अंत में उपस्थित सभी मजदूरों ने संकल्प लिया कि वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट रहेंगे और मजदूर विरोधी नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करते हुए अंबानी और अडानी के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लाने वाली भाजपा सरकार को सत्ता से उखाड़ फेकेगी।

मजदूर दिवस पर कर्मयोगियों का सम्मान एवं शरबत वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मजदूर दिवस के पावन अवसर पर पाल्क संस्था एवं राष्ट्रीय अधिवक्ता मंच द्वारा लेबर चौराहा, तेलियागंज में एक सराहनीय सेवा एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तपती गर्मी को ध्यान में रखते हुए श्रमिक भाइयों के बीच शरबत वितरण किया गया, जिससे उन्हें राहत प्रदान की जा सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट बार के अध्यक्ष अभय राज सिंह एवं सचिव जंग बहादुर सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने श्रमिकों को माल्यार्पण कर, प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र एवं उपहार प्रदान कर उनके श्रम, समर्पण एवं संघर्ष को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज के निर्माण में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, और उनका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अधिवक्ता दीनदयाल यादव, सालिक राम दुबे, कृष्ण कुमार दूबे, कपूर चंद्र, अजीत चौरसिया, आशीष केशरवानी, नितीश केशरवानी, दिलीप सोनी, विशाल गुप्ता, मनोज चौरसिया, आर्य मोदनवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संस्था की अध्यक्ष बिंदु रैदानी ने इस कार्य के लिए सभी का आभार व्यक्त किया द्य

काशी से निषाद समाज को एकजुटता और अधिकारों के लिए संघर्ष का संदेश।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने काशी की पावन धरती से निषाद, बिंद और केवट समाज को संबोधित करते हुए एकजुटता, अधिकारों की रक्षा और समग्र विकास का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत बाबा विश्वनाथ और मां गंगा का स्मरण करते हुए की तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अतिथियों और समाज के लोगों का अभिनंदन किया। डॉ. निषाद ने बताया कि बीते एक महीने से वे वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों का लगातार दौरा कर रहे हैं, जहां उन्होंने समाज के लोगों की समस्याओं और भावनाओं को करीब से समझा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कुछ लोगों में उनके प्रति नाराजगी रही, जिसका कारण सही जानकारी का अभाव था। उन्होंने स्पष्ट किया कि काशी और निषाद समाज उनके हृदय में हमेशा रहा है और रहेगा। उन्होंने कहा कि निषाद, बिंद और केवट समाज की ऐतिहासिक पहचान काशी से जुड़ी हुई है, जिसे कोई अलग नहीं कर सकता। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि वे उन तत्वों और राजनीतिक दलों के खिलाफ एकजुट हों, जिन्होंने उनके अधिकारों को कमजोर करने या उन्हें भ्रमित करने का प्रयास किया है। डॉ. निषाद ने कहा कि आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग गरीबी और अभाव से जूझ रहा है, इसलिए समय की मांग है कि सभी संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि निषाद समाज अब जागरूक हो चुका है और अपने हक के लिए हर स्तर पर आवाज उठाने को तैयार है। उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काशी में हुए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इससे शहर की पहचान वैश्विक स्तर पर मजबूत हुई है। इसके साथ ही निषाद समाज के नाविकों को भी सम्मान और रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि मत्स्य पालन और समाज के कल्याण हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं समाज को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। डॉ. निषाद ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने निषाद समाज की उपेक्षा की, लेकिन अब योजनाएं जमीनी स्तर पर लागू हो रही हैं और समाज मुख्यधारा से जुड़ रहा है। उन्होंने सभी से एकजुट, सजग और सक्रिय रहने की अपील करते हुए अपने अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करने का आह्वान किया। अंत में उन्होंने निषाद राज महाराज गुह्यराज के जयघोष और卐हर-हर महादेव卐 के उद्घोष के साथ अपने संबोधन का समापन किया।

श्रमिक दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित कर पात्र लाभार्थियों को जिलाधिकारी द्वारा किया गया लाभान्वित

➲ लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम को दिखाया गया सजीव प्रसारण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के श्रम विभाग के तत्वावधान में जिला पंचायत सभागार में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार एवं मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) विशाल कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में 150 से अधिक श्रमिकों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित श्रमिकों को इस अवसर पर श्रम विभाग के सहायक प्रोफेसर ऐश्रम आयुक्त सतीश कुमार द्वारा श्रमिकों के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा आवेदन प्रक्रिया एवं उससे मिलने वाले लाभों पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान सहायक श्रम आयुक्त ने अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के महत्व को बताते हुए श्रमिकों को उनके अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। उन्होंने श्रमिकों से अपील की कि वे अपना श्रम पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का पूर्ण लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बीमा, पेंशन एवं आवास जैसी सुविधाएं श्रमिकों के जीवन को सुरक्षित और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में श्रमिकों को सुरक्षित कार्य वातावरण, न्यूनतम मजदूरी, निर्धारित कार्य समय तथा महिलाओं एवं बाल श्रमिकों के अधिकारों के प्रति भी जागरूक किया गया। साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल सहभागिता की गई, जिसमें श्रमिक कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों को सभी ने सुना। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा श्रम विभाग के अधिकारियों द्वारा कुछ श्रमिकों को मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम में श्रम विभाग एवं आस्था संस्था की टीम के सदस्य मौजूद रहे।

नजीबाबाद के जलालाबाद में नरकीय जीवन जीने को मजबूर सड़कों पर बह रहा नाली का पानी, नमाज़ियों और बच्चों का जीना मुहाल

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता मोहित

नजीबाबाद। स्वच्छ भारत अभियान की वो तस्वीर, जिसे देखकर शासन और प्रशासन के दावों की कलई खुल जाएगी। मामला जनपद बिजनौर के थाना तहसील नजीबाबाद के अंतर्गत आने वाली नगर पंचायत जलालाबाद का है। यहाँ के मोहल्ला कचहरी सराय, वार्ड नंबर 13 में हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि इंसानों का रहना दूभर हो गया है। जामा मस्जिद के पास की ये गलियाँ विकास की नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही की कहानी चीख-चीख कर बयां कर रही हैं। तस्वीरें गवाह हैं कि यहाँ बिना बरसात के ही सड़कें दरिया बनी हुई हैं। नालियाँ पूरी तरह चोक हैं और उनका बदबूदार, काला पानी अब सड़कों पर बह रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ चुकी है। गंदगी का आलम यह है कि नालियों में पलने वाले कीड़े अब लोगों के घरों और रसोइयों में घुस रहे हैं। छोटे बच्चों में संक्रमण और गंभीर बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। सबसे ज़्यादा अफसोस की बात यह है कि जामा मस्जिद के करीब होने के कारण, पाँचों वक्त के नमाज़ियों को इसी गंदगी और नापाक पानी के बीच से गुजरना पड़ता है। इबादतगाह को जाने वाले रास्ते का यह हाल नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा सवालिया निशान है। नमाज़ियों को गंदे पानी से होकर जाने की मजबूरी बनी रहती है प्रशासनिक मौन है बार-बार शिकायत के बाद भी वार्ड नंबर 13 की अनदेखी हो रही है अब सवाल यह उठता है कि क्या नगर पंचायत जलालाबाद मोहल्ला कचहरी सराय वार्ड नंबर 13 किसी बड़ी महामारी का इंतज़ार कर रहा है? वार्ड नंबर 13 की जनता आखिर कब तक इस बदबू और गंदगी में सांस लेने को मजबूर रहेगी? हमारी इस खबर के माध्यम से हम जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मांग करते हैं कि इस समस्या का तुरंत संज्ञान लिया जाए। जामा मस्जिद के पास की इन सड़कों और नालियों की अविलंब सफाई कराई जाए ताकि मासूम बच्चों और बुजुर्गों को इस नरक से निजात मिल सके।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एचएएम का ऐतिहासिक शंखनाद।

रघु मिश्रा बने प्रदेश अध्यक्ष, 75 जनपदों में शुरू होगा 'मिशन आत्मनिर्भर यूपी-2027'

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़ा कदम उठाते हुए अपने संगठनात्मक विस्तार की औपचारिक घोषणा की। शहर के एक होटल में आयोजित भव्य प्रेस वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा) कमाल परवेज ने रघु मिश्रा को उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया। युवा नेतृत्व पर भरोसा, संगठन को नई दिशा नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि कमाल परवेज आज देश के युवाओं की मजबूत आवाज बनकर उभरे हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी का युवा प्रकोष्ठ देशभर में तेजी से मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े युवाओं को सशक्त बनाना है। शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार रघु मिश्रा ने पार्टी के संरक्षक एवं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में लघु एवं मध्यम उद्योगों को नई दिशा मिली है और करोड़ों रोजगार सृजित हुए हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण में उनके योगदान को प्रेरणादायी बताया। साथ ही बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शी सोच और कार्यशैली युवा नेतृत्व की ताकत को दर्शाती है। मिशन 2027- एनडीए को मजबूत करने का संकल्प रघु मिश्रा ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए कहा कि एचएएम उत्तर प्रदेश की सभी 403 सीटों पर एनडीए को मजबूत करने के लिए कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मॉडल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुरक्षित प्रदेश के विजन को बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा। 'मिशन आत्मनिर्भर यूपी' से युवाओं को जोड़ने की पहल उन्होंने बताया कि 'मिशन आत्मनिर्भर यूपी-2027' के तहत पार्टी कार्यकर्ता 卐योजना दूत卐 बनकर सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएंगे। मुद्रा योजना और पीएमईजीपी जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। भारी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद प्रेस वार्ता में दिल्ली के युवा प्रदेश अध्यक्ष अविनाश कुमार श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, समर्थक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी में चिकित्सा क्षेत्र को नई दिशा, पॉपुलर हॉस्पिटल में सीटीवीएस यूनिट व 70 बेड क्रिटिकल केयर का शुभारंभ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। पॉपुलर हॉस्पिटल में अत्याधुनिक कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) यूनिट और 70 बेड का बड़ा क्रिटिकल केयर यूनिट शुरू किया गया है। इस सुविधा के शुरू होने से अब हृदय और रक्त वाहिकाओं से जुड़ी जटिल बीमारियों का इलाज शहर में ही संभव हो सकेगा, जिससे मरीजों को दिल्ली-मुंबई जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. पियूष हरि ने बताया कि 24×7 विशेषज्ञ टीम और आधुनिक उपकरणों के साथ मरीजों को बेहतर आपातकालीन व सर्जिकल सेवाएं मिलेंगी। चेयरमैन डॉ. ए.के. कौशिक और एमडी डॉ. किरण कौशिक ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। सीटीवीएस सर्जन डॉ. हरेन्द्र ओझा के अनुसार, यहां ओपन हार्ट सर्जरी, बायपास और वाल्व रिप्लेसमेंट जैसी जटिल सर्जरी अंतरराष्ट्रीय मानकों पर की जाएंगी। इस नई सुविधा से पूर्वांचल, बिहार व आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को बड़ा लाभ मिलेगा।

निशा विश्वकर्मा मौत प्रकरण में मंत्री ओम प्रकाश राजभर के बयान की विश्वकर्मा समाज ने निंदा की।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। ऑल इंडिया यूनाइटेड विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने जारी एक बयान में निशा विश्वकर्मा मौत प्रकरण में विधानसभा के विशेष सत्र में मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा एक पक्षीय और पक्षपातपूर्ण बयान दिए जाने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा सरकार के जिम्मेदार मंत्री के इस तरह के गैर जिम्मेदाराना बयान से विश्वकर्मा समाज में गहरी नाराजगी है। मंत्री के इस बयान की विश्वकर्मा समाज कड़े शब्दों में निन्दा करता है। उन्होंने कहा कि पी एम रिपोर्ट और एफ. आई .आर दोनों दबाव में लिखे गए हैं, इसलिए दोनों की सत्यता संदिग्ध है, निशा विश्वकर्मा की मौत की घटना में अनेक रहस्य पूर्ण गुत्थियां अनसुलझी हैं।इन गुत्थियों को सुलझाने तथा घटना की सत्यता को सामने लाने के लिए विश्वकर्मा समाज सम्पूर्ण प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग करता है। उन्होंने कहा कि एक मंत्री का इस तरह एक पक्षीय और पक्षपात पूर्ण बयान देना घटना के आरोपियों के मनोबल को बढ़ावा देता है तथा मंत्री के नियत और मंशा पर सवाल पैदा करता है।

थाना चुनार पुलिस द्वारा हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। थाना चुनार में वादी मनीष कुमार विश्वकर्मा पुत्र कृष्ण कुमार विश्वकर्मा निवासी बभनियाव, थाना राजातलाब वाराणसी द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की बहन की हत्या (उसके ससुरारीजन) करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चुनार पर मु0अ0सं0-152/2025 धारा 103(1) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना प्रभारी चुनार को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक विजय शंकर सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्र से सम्बन्धित 02 अभियुक्त 1. माता प्रसाद विश्वकर्मा पुत्र स्व0 रामकिशुन विश्वकर्मा व 2. धीरज कुमार विश्वकर्मा पुत्र माता प्रसाद विश्वकर्मा निवासी रामगढ़कला थाना चुनार जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 103(1),238,3(5) बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया ।

नाबालिग को शादी का झासा देकर दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

मिर्जापुर। थाना लालगंज में एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध शादी का झासा देकर दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में लिखित तहरीर के आधार पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0-141/2026 धारा 69 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी लालगंज को निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना लालगंज पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को उप निरीक्षक सुजीत कुमार सेठ मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त इशु पुत्र शिवलाल निवासी ग्राम बहुती थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 65(1) बीएनएस व ङ(2) पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया ।

अन्नदाता किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष उबेद मलिक ने उठाया स्मार्ट मीटर का मुद्दा

➢ नगर में खुल कर हो रहा स्मार्ट मीटर का विरोध, बिजली घर पहुँच कर उठाई मांग उबैद मलिक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता किरतपुर

किरतपुर। नगर में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों का गुस्सा अब खुलकर सामने आने लगा है। बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष स्थानीय बिजली घर पहुंचे ओर लगाए गए स्मार्ट मीटरों को हटाने की जोरदार मांग उठाई। इस मोके पर अन्नदाता किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष उबैद मलिक के साथ लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिलों में अचानक भारी बढ़ोतरी हो गई है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। प्रदर्शनकारियों ने ए स ड ी अ ो हाइडिल को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि पहले जहां उनके बिल सामान्य आते थे, वहीं अब स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल कई दो गुना तक बढ़कर आ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि मीटर रीडिंग में गड़बड़ी हो रही है या सिस्टम पारदर्शी नहीं है, जिससे उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय महिलाओं ने कहा कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे परिवारों के लिए इतने अधिक बिजली बिल भर पाना मुश्किल हो गया है। उबैद मलिक ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर नहीं लगाए गए तो आंदोलन को ओर तेज किया जाएगा। इस पूरे मामले को लेकर अब राजनीतिक बयानबाजी भी तेज होती नजर आ रही है। लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर योजना आम जनता के लिए राहत नहीं बल्कि परेशानी का कारण बनती जा रही है और यह सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन सकती है। वहीं एसडीओ हाइडिल ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों की जांच कराई जाएगी और यदि कहीं गड़बड़ी पाई जाती है तो उचित कार्रवाई की जाएगी। नगर में बढ़ते विरोध को देखते हुए यह साफ है कि स्मार्ट मीटर का मुद्दा अब तूल पकड़ता जा रहा है ओर आने वाले दिनों में यह एक बड़ा जन आंदोलन बन सकता है।

रालोद कार्यालय में श्रमिकों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर हुई चर्चा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस (मजदूर दिवस) के अवसर पर राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश कार्यालय, लखनऊ में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश पाल धनगर ने बैठक की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में प्रदेश एवं जनपद स्तर के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं श्रमिक प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक के दौरान श्रमिकों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों, विशेषकर बाल श्रम उन्मूलन, न्यूनतम मजदूरी के प्रभावी क्रियान्वयन, श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों की सुरक्षा तथा उनके सम्मानजनक जीवन स्तर को सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एकमत होकर इन मुद्दों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने एवं आवश्यक होने पर संघर्ष को तेज करने का संकल्प लिया। बैठक के उपरांत आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए त्रिलोक त्यागी ने कहा कि बाल श्रम एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो देश के भविष्य को प्रभावित करती है। इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि बच्चों के हाथों में औजार नहीं, बल्कि किताबें होनी चाहिए, ताकि वे शिक्षित होकर देश के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उन्होंने सरकार से मांग की कि बाल श्रम के विरुद्ध कड़े कदम उठाए जाएं और इसके उन्मूलन के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। त्यागी ने आगे कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए, जिससे किसी भी मजदूर का शोषण न हो सके। उन्होंने कहा कि आज भी कई स्थानों पर श्रमिकों को उनका उचित पारिश्रमिक नहीं मिल पाता, जो अत्यंत चिंताजनक है। इसके लिए प्रशासन को जवाबदेह बनाना होगा और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने अपने संबोधन में भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों और मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए और ऐसे कानून बनाए, जिनसे आज भी किसानों एवं श्रमिकों को उनके अधिकार मिल रहे हैं। राष्ट्रीय लोक दल उनके सिद्धांतों और विचारों को आगे बढ़ाते हुए किसानों और मजदूरों के हक की लड़ाई निरंतर लड़ता रहेगा। इस अवसर पर वक्ताओं ने श्रमिकों के हित में सरकार से विभिन्न मांगें भी रखीं, जिनमें असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार, श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा की बेहतर व्यवस्था तथा रोजगार के अधिक अवसर सृजित करने की मांग प्रमुख रही। कार्यक्रम के अंत में श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश पाल धनगर ने सभी उपस्थित अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, प्रोफेशनल मंच के प्रदेश अध्यक्ष अंबुज पटेल, छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष अमन पाण्डेय, प्रदेश महासचिव रमावती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, चंद्रकांत अवस्थी, राघवेन्द्र प्रताप यादव, प्रदेश सचिव अफसर अली, प्रमोद शुक्ला, श्रम प्रकोष्ठ के रमेश कश्यप, आशाराम राज, प्रबोध तिवारी, शिवकुमार, हरीश, सोनवीर, मुलायम सिंह धरमपुरिया, सुमन देवी, आशा चौहान आदि लोग उपस्थित थे।

मायावती की सभी सरकारों से अपील देश के विकास में मजदूर/ श्रमिक वर्ग की उचित भागीदारी सुनिश्चित हो

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बीएसपी सुप्रीमों मायावती ने मजदूर दिवस पर मेहनतकश समाज को बधाई देते हुए देश निर्माण में उनके संघर्षों एवं योगदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया एवं वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता भी जताई 7 उन्होने कहा कि मजदूर दिवस का महत्व आज भी नकारा नही जा सकता क्योंकि आजादी के इतने वर्षों के बाद भी महिला और पुरुष श्रमिकों की स्थिति में अब तक वह सुधार और बदलाव नही दिख रहे हैं जो आने चाहिए थे 7 उन्होने आउटसोर्सिंग, दैनिक वेतन भोगी और % हायर एंड फायर %(काम पर रखो और निकालो) की प्रथा को मजदूरों के लिए नई मुसीबत और रोजगार की अनिश्चितता बताया 7 मायावती ने एक्स पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लिखा - हालाँकि देश भर के पुरुष व महिला मज़दूरों व श्रमिक समाज की हालत में कोई अपेक्षित सुधार लाख कोशिशों के बावजूद अब तक देखने को नहीं मिलता है, और इसीलिये 'मज़दूर दिवस' के महत्व को आज भी नकारा नहीं जा सकता है और इस मौक़े पर नित्य दिन जीवन संघर्षों में लगे मेहनतकश तबक़े के सभी लोगों को आज 'मई दिवस' की बधाई तथा उन सबके थोड़े 'अच्छे दिन' की फिर से शुभकामनायें।

उन्होने कहा कि वैसे तो देश निर्माण में मज़दूरों एवं सभी मेहनतकश समाज के लोगों का ज़बरदस्त योगदान रहता है और उनके इस महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुये परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने देश की आज़ादी से पहले और फिर आज़ादी के बाद भी इन सबके लिये ख़ुश व ख़ुशहाल जीवन की गारण्टी सुनिश्चित करने का प्रयास किया था, किन्तु अब तो आउटसोर्सिंग, दैनिक वेतन भोगी तथा हायर एड फायर की प्रथा ने जीवन के हर पहलू में प्रचलित हो जाने से देश के मेहनतकश तबक़ों/समाज को नई मुसीबतों व रोज़गार अनिश्चितताओं का ज़बरदस्त सामना है, जिससे उसके परिवार को पालन-पोषण ही नहीं बल्कि उसकी शिक्षा-दीक्षा, स्वास्थ्य आदि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता हुआ साफ दिखाई पड़ता है अर्थात् विकास की चाह में मज़दूरों का भविष्य ही नहीं बल्कि उनका व उनके परिवार का जीवन दाव पर लगा हुआ दिखता है, जो उचित नहीं प्रतीत होता है। साथ ही, महिलाओं को इसके लिये वास्तव में सुरक्षित वातावरण नहीं मिल पाना भी भारत में चिन्ता का विषय बना हुआ है। कुल मिलाकर, देश के विकास में मज़दूर/श्रमिक वर्ग की उचित भागीदारी सुनिश्चित हो, ऐसी आज मई दिवस पर सभी सरकारों से अपील है। वैसे भी बी.एस.पी. का संघर्ष उन्हीं मेहनतकश बहुजनों के हक़ के लिये समर्पित है और रहेगा।

धुरंधर के बाद अब इमोशनल रोल में दिखेंगे अर्जुन रामपाल, विकास कुमार मोदी के फैमिली ड्रामा की शूटिंग अंतिम दौर में

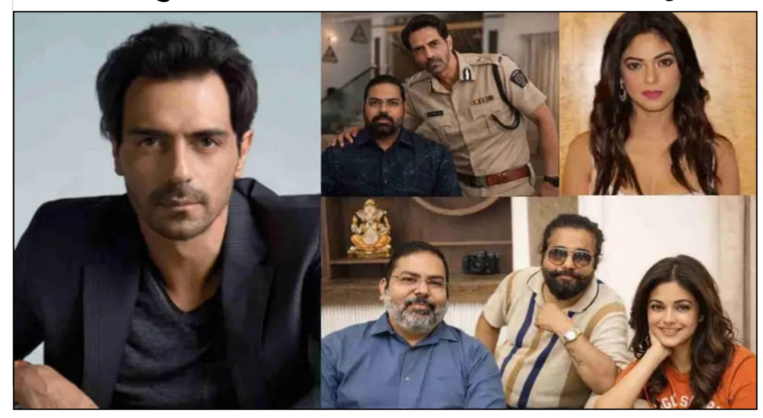

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। धुरंधर में मेजर इक़बाल के दमदार किरदार से वाहवाही बटोरने के बाद बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल अब प्रोड्यूसर विकास कुमार मोदी के अगले फैमिली ड्रामा में एक नरम और इमोशनल अवतार में नजर आएंगे। सामाजिक मुद्दों पर आधारित इस फिल्म के जरिए अर्जुन रामपाल पहली बार राइटर-डायरेक्टर शैलेश वर्मा के साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का मुंबई शेड्यूल पूरा हो चुका है और अब लोनावला व कामशेत में अंतिम चरण की शूटिंग चल रही है। इंसानियत, रिश्तों और जड़ों से जुड़ाव जैसे विषयों पर बनी यह फिल्म दिल को छू लेने वाला सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। पारस सॉफ्टवेयर एंड एंटरटेनमेंट और वेमो मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही इस फिल्म में अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिका में हैं, जबकि मीरा चोपड़ा फीमेल लीड निभा रही हैं। दिग्गज अभिनेता टिन्नू आनंद और मुकेश तिवारी भी अहम किरदारों में दिखेंगे। प्रोड्यूसर विकास कुमार मोदी ने कहा यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। यह उन भावनाओं और मूल्यों को दर्शाती है जो हमारी संस्कृति में गहराई से बसे हैं। हमारा मकसद सार्थक सिनेमा बनाना है जो हर वर्ग के दर्शकों से जुड़े। डायरेक्टर शैलेश वर्मा ने बताया, यह लोगों, उनके रिश्तों और इंसानियत के सार की कहानी है। अर्जुन रामपाल के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। मेकर्स इस अनटाइटल्ड फिल्म को अगस्त में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। विकास कुमार मोदी और शैलेश वर्मा कई अन्य सामाजिक प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं जो इस साल के अंत तक रिलीज होंगे।

वृन्दावन योजना में बुद्ध पूर्णिमा पर खीरदान कार्यक्रम, बुद्ध के मार्ग पर चलने का किया आह्वान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। त्रिविध पावनी बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर 1 मई को बहुजन समाज वृन्दावन योजना लखनऊ द्वारा सेक्टर 9बी, बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड पर खीरदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बुद्ध वंदना के साथ हुई। कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व एसडीएम राम कुमार गौतम ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा भगवान बुद्ध का जन्मदिवस है। बुद्ध के मार्ग पर चलने से देश में शांति और तरक्की आएगी। पूर्व जिला जज लोक अदालत सत्यवीर सिंह यादव ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा का उद्देश्य गौतम बुद्ध की शिक्षाओं को आत्मसात कर जीवन और विचारधारा में अपनाना है। सुरेश जायसवाल ने कहा कि बुद्ध का समरसता, सहअस्तित्व और शांति का संदेश आज सबसे अधिक प्रासंगिक है। एससी-एसटी कल्याण समिति के अध्यक्ष हरीश जयंत ने कहा कि बुद्ध ने कोई बात तभी मानने को कहा जब वह तर्क और कसौटी पर खरी उतरे। हमें इसी सिद्धांत का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी कमिश्नर वाणिज्य राम लगन सिंह यादव, पूर्व पीसीएस जीत लाल सैनी, महामंत्री मंजू सिंह, अमर नाथ, राम संजीवन, सीएल कुरील, घनश्याम मौर्य, श्रीनाथ सिंह कुशवाहा, प्रदीप कुमार, आरडी मौर्य, राधेश्याम दिवाकर, एसके रावत, जगदीश दोहरे, राजेश दोहरे, राम दुलार, ओम प्रकाश, कुन्दन लाल, मंजुलता कमल, मंजुलता गौतम, सरोज लता गौतम, अनीता मौर्य, नंदलाल, डॉक्टर देवेन्द्र यादव 'जिंदा पेरियार' समेत बहुजन समाज वृन्दावन योजना के लोग मौजूद रहे।

श्रम दिवस पर यूपीडब्लूजेयू ने दिया उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन, प्रदेश भर में हुए कार्यक्रम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। श्रम दिवस के मौके पर शुक्रवार को यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन (यूपीडब्लूजेयू) ने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्रकारों के कल्याण व समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर लखीमपुर, बहराइच सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में यूपीडब्लूजेयू की इकाईयों ने कार्यक्रमों का आयोजन किया। यूपीडब्लूजेयू के प्रदेश अध्यक्ष टी.बी. सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधमंडल शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिला और उन्हें पत्रकारों की समस्याओं व कल्याण संबंधी ज्ञापन सौंपा। उप मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को श्रम दिवस की बधाई देते हुए कहा कि वह इन मांगों पर जल्द से जल्द कारवाई कराने का पूरा प्रयास करेंगे। टी.बी. सिंह के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री से मिले प्रतिनिधिमंडल ने ब्रजेश पाठक को सौंपे गए ज्ञापन में प्रदेश के सभी श्रमजीवी पत्रकारों को अधिवर्षता के उपरांत पेंशन से आच्छादित किया करने, पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने, प्रदेश के मुख्यालय व जिलों में पत्रकारों को रियायती दरों पर आवास अथवा भूखंड दिए जाने की योजना लाने, राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त पत्रकारों की तरह जिला मान्यता प्राप्त एवं सभी श्रमजीवी पत्रकारों को पीजीआई में निशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने, पीजीआई की तरह केजीएमयू एवं लोहिया अस्पताल में भी मान्यता प्राप्त पत्रकारों के निशुल्क इलाज की सुविधा दिये जाने, पत्रकारों के लिए सभी राजकीय अस्पतालों में पूर्व की भांति पर्चा व दवा के अलग काउंटर स्थापित किए जाने और असमय काल-कलवित होने वाले पत्रकारों के परिजनों को प्रदेश सरकार से पूर्व की भांति आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की गई। उप मुख्यमंत्री ने पत्रकारों की मांगों से सहमति जताते हुए उन पर सहानुभूतिपूर्व विचार करने व निराकरण करवाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन (आईएफडब्लूजे) के राष्ट्रीय सचिव सिद्धार्थ कलहंस, यूपीडब्लूजेयू के वरिष्ठ सचिव उत्कर्ष सिन्हा, संगठन सचिव आचार्य अजय त्रिवेदी व प्रदेश सचिव राजेश मिश्रा शामिल थे। राजधानी लखनऊ के कार्यक्रम के बाद यूपीडब्लूजेयू अध्यक्ष टी.बी. सिंह श्रम दिवस पर पत्रकारों के कार्यक्रम में शामिल होने बहराइच व लखीमपुर भी पहुंचे। लखीमपुर में श्रम दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के बाद यूपीडब्लूजेयू जिला इकाई के अध्यक्ष कुलदीप पाहवा के नेतृत्व में पत्रकारों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। बहराइच में पत्रकारों ने यूपीडब्लूजेयू अध्यक्ष टी.बी. सिंह का स्वागत किया और जिला इकाई अध्यक्ष मसूद कादरी के नेतृत्व में पत्रकारों के कल्याण संबंधी ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

समाचार

अपाचे बाइक सवार बदमाश सरेराह युवक की चेन छीन फरार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आशियाना थाना इलाके मे शुक्रवार दोपहर अपाचे बाइक सवार बदमाश युवक के गले मे झपट्टा मार चेन छीन फरार हो गए। आशियाना थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर के निवासी अमित कनौजिया पुत्र राम सागर ने बताया वह पेशे से प्रापर्टी डीलर है। आज शुक्रवार दोपहर करीब 3ः20 बजे अपने मित्र से मिलने के लिये घर के बाहर रोड़ पार कर रहा था, उसी दौरान अपाचे सवार बदमाशों ने उसके गले मे झपट्टा मार चेन छीन फरार हो गए। वही पीडित का कहना था उक्त बाइक पर दो लोग बैठे थे। इस छीना झपटी मे चेन का कुछ टुकड़ा निचे गिर गया जो उसके पास मौजूद है। जिसके चलते उसने स्थानीय आशियाना थाने मे पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीडित की शिकायत पर घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल बदमाशों की तलाश की जा रही है।

विवाह समारोह के दौरान विवाद, एक दर्जन के अधिक लोगो पर फायरिंग कर दहशत फैलाने का आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णानगर कोतवाली इलाके मे रहने वाली महिला ने विवाह समारोह के दौरान हुए विवाद के बाद एक दर्जन के अधिक लोगो पर फायरिंग कर दहशत फैला धमकी देने का आरोप लगा नामजद केस दर्ज कराया है। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित सेक्टर सी-1 एलडीए कॉलोनी मे रहने वाली महिला रीना यादव पत्नी करन सिंह यादव के अनुसार बीते 29 अप्रैल को कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित एक निजी लान मे उसके पति के रिश्तेदार की शादी थी जिसमे वह पति संग शामिल होने लॉन गई थीं। वहाँ पर उसके मायके पक्ष के मनीष यादव पुत्र वाशुदेव निवासी आजीतनखेडा से उसके पति का किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि उसके अगले दिन 30 अप्रैल की सुबह आजीतनखेडा निवासी भगत यादव ने फोन कर उसके पति को जान से मारने की धमकी देने के साथ रात्रि करीब 10ः30 बजे भगत यादव ने कथित रूप से साजिश रचते हुए कई लोगों को उसके उनके घर भेज दिया और सभी आरोपी अवैध असलहों से लैस होकर उसके घर पहुंच और गाली-गलौज करते हुए बाहर मौजूद उसके भाई आलोक यादव पर जान से मारने की नीयत से कई राउंड फायरिंग कर पड़ोसी सोमिका यादव की क्रेटा कार संख्या यूपी 32 पी टी 5335 में भी तोड़फोड़ की। घटना की सूचना पडोसी ने पुलिस कंट्रोल रूम पर दी गई। लेकिन पुलिस के पहुंचने के पहले सभी आरोपी जान से मारने की धमकी दे फरार हो गए। वही पीडिता का कहना था उसके घर पर हमला कर फायरिंग करने वालो मे आजीतनखेडा निवासी बृजेश यादव, आजाद यादव, शेरू यादव, अंकुश यादव, मनीष यादव, मुकेश यादव, रंजीत यादव, छोटू यादव, अंश यादव, अजीत यादव और जीतू यादव समेत अन्य अज्ञात लोग शामिल थे। वही पीडिता का आरोप है कि मनीष और आजाद ने फोन कर पीड़िता के भाई को गालियां दे धमकी देने के साथ उक्त लोगो ने उसके पति की तलाश में उसके काकोरी थाना क्षेत्र स्थित दूसरे मकान पर पहुंच उसके घर के गेट और शीशे तोड़कर फायरिंग की। जिसके चलते उसने भयग्रस्त हो स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली मे लिखित नामजद शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीडिता की शिकायत पर शुक्रवार को मुकदमा दर्ज कर विधिक कारवाई की जा रही है।

शादी समारोह से लौट रहे प्रॉपर्टी डीलर सड़क हादसे में मौत,

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णा नगर के जय प्रकाश नगर में रहने वाला एक अधेड़ उम्र का प्रॉपर्टी डीलर बृहस्पतिवार रात्रि सड़क हादसे में गंभीर रूप से चोटिल हो गया जिसकी मेडिकल कॉलेज में इलाज दौरान मौत हो गया। आलमबाग जय प्रकाश में रहने वाले पेशे से प्रॉपर्टी डीलर 52 वर्षीय अनुराग शुक्ला बृहस्पतिवार देर रात्रि सिंगार नगर मैट्रो स्टेशन के पास बाइक से गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गया मौके पर मौजूद लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से चोटिल को मेडिकल कॉलेज उपचार के लिए भेजा जहां इलाज के दौरान घायल की मौत हो गई। मृतक के भाई दिनेश शुक्ला ने बताया कि उनके भाई जनपद उन्नाव एक शादी समारोह से सम्मिलित हो देर रात्रि अपनी बाइक से अकेले ही घर वापस लौट रहे थे कि मैट्रो स्टेशन के पास हादसे का शिकार हो गए जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक के परिवार में पत्नी रिचा,दो बेटी और एक बेटा अनमोल है।

युवक ने फंदे से लटक दी जान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके मे किराये का मकान लेकर मजदूरी करने वाले युवक ने शुक्रवार को अपने घर मे लगे पंखे के हुक मे दुपट्टे के सहारे फांसी लगा आत्महत्या कर ली। कृष्णा नगर कोतवाली के आजाद नगर चौकी इंचार्ज गौरव सिंह ने बताया 19 वर्षिय अमरजीत सिंह पुत्र अनुज सिंह तेजी खेडा मानक नगर निवासी थाना क्षेत्र के आजाद नगर मे रहकर मजदूरी का कार्य करता था। शुक्रवार दोपहर पडोसियों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। युवक के आत्महत्या किये जाने का कारण स्पष्ट नही है।

मज़दूर दिवस पर 600 कर्मवीरों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। विश्व मज़दूर दिवस पर स्वच्छता कर्मियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर,जांच और आयुष्मान कार्ड पंजीकरण। लखनऊ,1 मई। विश्व मज़दूर दिवस के अवसर पर लखनऊ स्वच्छता अभियान प्राइवेट लिमिटेड ने के.के. हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। इसमें 600 से अधिक वाहन चालकों और कर्मचारियों का ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी व नेत्र परीक्षण किया गया तथा दवाएं वितरित की गईं। गंभीर मरीजों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कर उपचार उपलब्ध कराया गया। शिविर में आयुष्मान भारत योजना के तहत ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण भी किया गया। कार्यक्रम कंपनी के रीजनल डायरेक्टर अभय रंजन के निर्देशन और डॉ. गुल मोहम्मद व उनकी टीम के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।अभय रंजन ने कहा कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

बुद्ध पूर्णिमा महापर्व पर बुद्धा पार्क लखनऊ में हुआ भव्य आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । बुद्धा पार्क में बुद्ध जयंती समारोह/कवि सम्मेलन का आयोजन कुशवाहा मौर्य शाक्य सैनी कल्याण एसोसिएशन द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनागत कविता आंदोलन के प्रणेता डॉ अजय प्रसून ने किया। मुख्य अतिथि डॉक्टर राम आसरे कुशवाहा,विशिष्ट अतिथि माननीय एम एल सी इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह वरेण्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ.हरी प्रकाश अग्रवाल हरि, जी एल गांधी एवं प्रवीण कुमार पांडेय आवारा थे। आयोजक कुशवाहा मौर्य शाक्य सैनी कल्याण एसोसिएशन एवं पेजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद्र कुशवाहा की विशेष उपस्थिति रही।कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा तथागत बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। बुद्ध वंदना राम सहाय मौर्य ने किया।वाणी वंदना राम सनेही विश्वकर्मा सजल एवं प्रवीण कुमार पांडेय आवारा ने की।कार्यक्रम का कुशल संचालन राम राज भारती द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. हरी प्रकाश अग्रवाल हरि,डॉ. अजय प्रसून, प्रवीण कुमार पांडेय आवारा, डॉ.तारिका सिंह नूर, डॉ.उमा लखनवी, डॉ.राम सनेही विश्वकर्मा सजल, राम राज भारती, ओज कवि मुकेशानंद, डॉ.हिमांशु सक्सेना अर्श लखनवी, गिरीश बाजपेई, बासुदेव सिंह, पंकज दिनकर, मनोरमा श्रीवास्तव,गंगा प्रसाद दीक्षित, विमला देवी,राधे श्याम सैनी, सुनील त्रिपाठी, इंजी. अवनीश सिंह,डॉ.राम आसरे कुशवाहा आदि ने अपनी कविताओं एवं व्यक्तव्य से तथागत बुद्ध के विचारों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें नमन किया। इंजी.अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि समृद्धि का मार्ग शांति से खुलता है। बुद्ध जयंती के अवसर पर सभी को बधाई देता हूं। डा.राम आसरे कुशवाहा ने कहा कि सकारात्मक सोच से जो दुवाएं लेता है, वह तरक्की करता है। बच्चों को अच्छे संस्कार दीजिए। डॉ. अजय प्रसून ने कहा कि मन हो जाए बुद्ध यदि,जीवन हो साकार। चिंतन भी लेने लगे,एक नया आकार। राम राज भारती ने कहा कि परमार्थ का संकल्प हो तो अनमोल जिंदगी है। राम सनेही विश्वकर्मा सजल ने कहा कि बुद्ध जी का देश है ये, राम और कृष्ण के अस्त्र नहीं त्यागे हैं । डॉ.तारिका सिंह नूर ने तथागत को समर्पित कविता पढ़ी कि माया के हर इक जाल को तोड़ गए वो।जीवन का सच पाने को घर छोड़ गए वो। जी एल गांधी ने पढ़ा बुद्धम शरणम् गच्छामि मन मेरे 7 मिटि जायेंगे संकट तेरे मेरे 77 बुद्धा पार्क परिसर में भारी संख्या में श्रोताओं ने कविताओं का आनंद लिया एवं प्रसाद स्वरूप खीर खाई। अन्य कवियों एवं वक्ताओं ने तथागत बुद्ध द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने की बात कही। अंत में आयोजक गिरीश चंद्र कुशवाहा ने सभी आगंतुकों साहित्यकारों कवियों एवं श्रोताओं को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बुद्ध पूर्णिमा का पर्व

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता मोहित

नजीबाबाद। कोतवाली रोड सिद्धबली विहार कॉलोनी नजीबाबाद डॉ. भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति-जनजाति जन कल्याण समिति सिद्धबली विहार कालोनी नजीबाबाद के द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तथागत भगवान् गौतम बुद्ध के छाया चित्र के सम्मुख समिति के अध्यक्ष रामनाथ सिंह रिटायर्ड दरोगा एवं सुरजा सिंह दोनों के संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में हिमालयन कॉलोनी, दुर्गा विहार , सत्य विहार , आदर्श नगर, महावतपुर तथा आसपास के विभिन्न कॉलोनियों से बौद्ध अनुयाईयों ने पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।कार्यक्रम में राकेश मोहन भारती , गोविंद सिंह बौद्ध, अतर सिंह, निशा बौद्ध के द्वारा बुद्ध वंदना करायी गई । सभी अनुयाईयों ने तथागत भगवान् गौतम बुद्ध के जीवन दर्शन, शिक्षा दर्शन पर अपने विचार रखे। उनके विचारों को अपनाने पर बल दिया। इस अवसर पर निशा बौद्ध, अंजूषा, सुनीता आर्य , भारती, भुवनेश्वरी, ललिता रानी, हेमलता, ऊष्मा कशेरवाल तथा , ग्राम प्रधान पति राकेश चौधरी, इन्द्र बंधु शास्त्री, प्रवीण कुमार, सूरजा सिंह, लखपत सिंह, शेर सिंह रिटायर्ड दरोगा, दिलेराम सिंह रवि, संजीव कुमार, योगेंद्र कुमार, रामनाथ सिंह अध्यापक, डॉ. अनिल, गोविंद सिंह बौद्ध, जसलाल भारती, दिलेराम रवि, शिवकुमार वरुण, विमल सिंह कटारिया, वीर सिंह, राकेश कुमार, प्रीतम सिंह देशबंधु , दीपक कुमार, धर्मवीर सिंह बौद्ध, विपिन कुमार आदि उपस्थित रहे। समिति के कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, उपाध्यक्ष राम भरोसे सिंह सभी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के समापन पर खीर का प्रसाद वितरण किया गया। समिति के पदाधिकारी कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, रामभरोसे सिंह तथा धनीराम का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर जितेंद्र कुमार ने किया।

नवजात हृदय उपचार में ऐतिहासिक सफलता एसजीपीजीआईएमएस लखनऊ में प्रीटर्म शिशु को मिला नया जीवन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के चिकित्सकों ने नवजात एवं हृदय देखभाल के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 34 सप्ताह में जन्मे एक अत्यंत नाजुक और गंभीर रूप से बीमार प्रीटर्म शिशु का सफल उपचार किया है। इस जटिल मामले में अत्याधुनिक ट्रांसकैथेटर डिवाइस क्लोजर तकनीक का उपयोग करते हुए बिना ओपन सर्जरी के हृदय दोष को ठीक किया गया, जो चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। यह शिशु एक अत्यंत उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था से जन्मा था, जहां मां को पहले 13 बार गर्भ हानि का सामना करना पड़ा था। गर्भावस्था की विशेष निगरानी डॉ. संगीता और प्रो. मंदाकिनी प्रधान द्वारा की गई। जांच के दौरान शिशु में फीटल ग्रोथ रेस्ट्रिक्शन पाया गया, जो प्लेसेंटा के अपर्याप्त कार्य के कारण होता है। जन्म के तुरंत बाद शिशु को गंभीर श्वसन समस्या हुई और उसे हृद्धष्ट में भर्ती कर सर्फैक्टेंट थेरेपी व वेंटिलेटर सपोर्ट दिया गया। जांच में पेटेंट डक्टस आर्टेरियोसस (PDA) की पुष्टि हुई। एक ऐसी स्थिति जिसमें जन्म के बाद बंद हो जाने वाली रक्त वाहिका खुली रह जाती है, जिससे हृदय और फेफड़ों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। उपचार और चिकित्सकीय प्रक्रिया शुरुआती उपचार में Paracetamol और Ibuprofen जैसी दवाओं का उपयोग किया गया, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले और शिशु लंबे समय तक श्वसन सहायता पर निर्भर रहा। करीब 45वें दिन, विशेषज्ञों की टीम ने शिशु की स्थिति स्थिर होने पर ट्रांसकैथेटर पीडीए डिवाइस क्लोजर प्रक्रिया अपनाई। इस तकनीक में कैथेटर के माध्यम से एक छोटा उपकरण शरीर के भीतर डालकर असामान्य रक्त वाहिका को बिना ओपन सर्जरी के बंद किया जाता है। इतनी कम उम्र और वजन वाले प्रीटर्म शिशु में यह प्रक्रिया अत्यंत चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। प्रक्रिया के बाद शिशु की स्थिति में लगातार सुधार हुआ। धीरे-धीरे वेंटिलेटर हटाया गया, जीवन रक्षक संकेत सामान्य हुए और शिशु ने दूध पीना व वजन बढ़ाना शुरू कर दिया। अंततः 76वें दिन शिशु को स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। संस्थान के निदेशक प्रो. आर. के. धीमन ने इस उपलब्धि पर सभी चिकित्सकों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की जटिल सफलताएं संस्थान को देश में उन्नत नवजात एवं हृदय देखभाल के क्षेत्र में अग्रणी बनाती हैं। उन्होंने कहा कि एसजीपीजीआई की यह सफलता न केवल आधुनिक चिकित्सा तकनीक और विशेषज्ञता का उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि समन्वित टीमवर्क और सही समय पर लिए गए निर्णयों से अत्यंत जटिल नवजात मामलों में भी जीवन बचाया जा सकता है। विशेषज्ञों की टीम और नेतृत्व इस जटिल प्रक्रिया का नेतृत्व हृदय रोग विभाग के डॉ. अंकित साहू और प्रो. आदित्य कपूर ने किया, जिनके साथ डॉ. बिभास शामिल रहे। नवजात विभाग की टीम में डॉ. फौजिया फरहत, डॉ. अभिषेक पॉल, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. आकांक्षा वर्मा, डॉ. आरोही गुप्ता, डॉ. आर. के. श्वेताभ, डॉ. अंकिता और डॉ. अन्बारसन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पूरी टीम विभागाध्यक्ष डॉ. कीर्ति एम. नरांजे के निर्देशन में कार्य कर रही थी।

संपादकीय

राहतकारी हो आईसीयू

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निर्देशों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज को अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती है जब उसका क्रियान्वयन आधे-अधूरे ढंग से किया जाता रहा है। निश्चित रूप से निगरानी ढांचे और समन्वित राष्ट्रीय स्तर की कार्रवाई पर अदालत की पहल सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इसकी अनुपालन की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्त पोषण और प्रशासनिक क्षमता पर निर्भर करेगी। साथ ही दक्षता के अलावा, मानवीय पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। गहन चिकित्सा कक्ष में लंबे समय तक भर्ती रहना मरीजों और उनके परिवारों के लिए बेहद कष्टदायक होता है। स्थिर मरीजों को कम स्तर पर देखभाल की जरूरत वाले वार्डों में स्थानांतरित किए जाने से न केवल अनावश्यक चिकित्सा खर्च बचता है। बल्कि यह मानवीय दृष्टिकोण का भी परिचायक है। निश्चित रूप से आईसीयू के लिए एकसमान मानदंड लागू करने का प्रयास भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में पारदर्शिता लाने और तर्कसंगत निर्णय लेने को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

बंगाल में भाजपा का अनुमान

एग्जिट पोल का पहला, महत्वपूर्ण, परिवर्तनकारी अनुमान यह है कि सात में से पांच पोल्स ने पश्चिम बंगाल में भाजपाई सत्ता का अनुमान लगाया है। विभिन्न एग्जिट पोल्स का सार-रूप पोल यह है कि भाजपा को 166 और ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को 121 सीटें मिल सकती हैं। बंगाल में 294 सदस्यों की विधानसभा है, लिहाजा सामान्य बहुमत का आंकड़ा 148 माना जाता है। इस बार बंगाल में बंपर मतदान हुआ है। दोनों चरणों में कुल मतदान 92.84 फीसदी हुआ है। अकेले दूसरे चरण में ही 92.48 फीसदी मतदान किया गया। यकीनन यह अभूतपूर्व और ऐतिहासिक मतदान है। कारण जो भी हो, लेकिन ऐसे मतदान के लिए मतदाता ही बधाई और जागृति के पात्र हैं। ऐसे मतदान का निष्कर्ष कुछ भी हो सकता है। उस निष्कर्ष के लिए 4 मई तक का इंतजार करना चाहिए। वैसे हम भारत में एग्जिट पोल को वैज्ञानिक नहीं मानते, क्योंकि बंगाल में मतदान शाम 6 बजे के बाद भी जारी था, लेकिन एग्जिट पोल के आंकड़े अपराह्न 3 बजे के आसपास ही टीवी चैनलों को भेज दिए गए। इस तरह मतदाताओं का रुझान कैसे आंका जा सकता है? पोल्स का साइज कितना बड़ा था, कितने मतदाताओं से बातचीत की गई, कितने समय बातचीत हुई, उनके ब्यौरे सार्वजनिक नहीं किए जाते, नतीजतन एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरते रहे हैं। भारतीय राजनीति के संदर्भ में अक्सर एग्जिट पोल अथवा सर्वेक्षण गलत साबित होते रहे हैं। मसलन-2004 में 'भारत उदय' के मुद्दे पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार की बरकरारी के अनुमान लगभग सभी पोल्स में लगाए गए थे, लेकिन भाजपा 138 सीटों पर ही ठहर गई और 145 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। बाद में यूपीए के बैनर तले 'खिचड़ी सरकार' बनी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा-एनडीए को 415 सीटें जीतने की भविष्यवाणी की गई थी। भाजपा 240 सीटों पर और कुल एनडीए 293 सीटों पर ही ठहर गए। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा आदि राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और सहयोगी दलों की सरकारें बनने के अनुमान लगाए गए थे, लेकिन तीनों महत्वपूर्ण राज्यों में भाजपा सरकारें बनीं। ओडिशा में भी भाजपा सरकार बनी। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी (अजित पवार) के साथ भाजपा के गठबंधन को नया नाम भी दिया गया-'महायुति'। एग्जिट पोल्स के गलत साबित होने के अनेक उदाहरण हैं, लेकिन हम फिर भी उन्हें न तो खारिज कर रहे हैं और न ही पूरी तरह स्वीकार करने की मनःस्थिति में हैं। बेशक असम में भाजपा, तमिलनाडु में द्रमुक गठबंधन, पुडुचेरी संघशासित क्षेत्र में एनडीए और केरलम में कांग्रेस नेतृत्व के यूडीएफ के सत्ता में आने के आसार पर्याप्त थे, लिहाजा पोल्स के अनुमान भी उन्हीं लाइनों पर हैं। केरलम में बीते 10 साल से वामदलों के एलडीएफ की सरकार थी, लिहाजा अब जनादेश यूडीएफ के पक्ष में स्वाभाविक लग रहा था। हालांकि तमिलनाडु में 'एक्सिस माई इंडिया' ने सुपरस्टार विजय की नवजात पार्टी टीवीके को 98-120 सीटें दी हैं। यानी द्रमुक और अन्नाद्रमुक गठबंधन हार रहे हैं। यह बड़ा असामान्य अनुमान लगता है। तमिलनाडु में सामान्य बहुमत 118 सीट का है। यदि तमिल जनादेश यही रहा और बंगाल का जनमत भाजपाई रहा, तो ये चुनावी नतीजे किसी चमत्कार से कम नहीं होंगे। बंगाल में परिवर्तन की भावनाओं का चुनाव था, तो ममता बनर्जी की 15 साल की सत्ता के बावजूद स्वीकार्यता कम नहीं है। कमोबेश 75-80 फीसदी मुस्लिम वोट, महिलाओं और हिंदुओं का बराबर का समर्थन आज भी 'दीदी' के पक्ष में है।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मजदूर आंदोलन, वेतन से आगे, सामाजिक न्याय की लड़ाई?

> मजदूर दिवस पर श्रमिक आंदोलनों की चर्चा अक्सर फैक्टरी गेट पर विरोध, नारेबाजी, अति-आवश्यक सेवाओं को ठप कर देने या हड़तालों की हिंसक छवियों, शहरों के उद्योग बंद होने की कहानियों तक सीमित रह जाती है। यह दृष्टि उस बड़े सत्य को अनदेखा कर देती है कि दुनिया के मजदूर केवल अपने अधिकारों के लिए ही नहीं, बल्कि देशहित, लोकतंत्र और मानव गरिमा की रक्षा के लिए भी निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं

अरुण कुमार डनायक

मजदूर दिवस पर श्रमिक आंदोलनों की चर्चा अक्सर फैक्टरी गेट पर विरोध, नारेबाजी, अति-आवश्यक सेवाओं को ठप कर देने या हड़तालों की हिंसक छवियों, शहरों के उद्योग बंद होने की कहानियों तक सीमित रह जाती है। यह दृष्टि उस बड़े सत्य को अनदेखा कर देती है कि दुनिया के मजदूर केवल अपने अधिकारों के लिए ही नहीं, बल्कि देशहित, लोकतंत्र और मानव गरिमा की रक्षा के लिए भी निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। भारत में भी श्रमिक वर्ग ने यह भूमिका निभाई है। चम्पारण सत्याग्रह में खेतिहर मजदूर नील किसानों के साथ खड़े रहेय 1918 में अहमदाबाद, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान मुंबई की मिल हड़ताल और दांडी यात्रा में कारीगरों, नमक निर्माताओं और तटीय मजदूरों ने औपनिवेशिक अन्याय के विरुद्ध व्यापक जनशक्ति खड़ी कर मजदूरों की सामूहिक शक्ति प्रदर्शित की थी। डॉ. आंबेडकर के नेतृत्व में महाड़ के चवदार तालाब सत्याग्रह में दलित श्रमिकों ने सामाजिक समानता की लड़ाई को नई दिशा दी थी। इसी वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अमेरिका का नागरिक अधिकार आंदोलन एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। जिम क्रो नियमों के तहत अमेरिका में अश्वेत नागरिकों को अलग, लेकिन समान के नाम पर अपमानजनक भेदभाव का सामना करना पड़ता था। सार्वजनिक सुविधाएं, जैसे- बस, ट्रेन, पार्क, स्कूल आदि में व्यवस्थाएं अलग-अलग थीं और मतदान में बाधा डालने के लिए साक्षरता परीक्षण व पोल टैक्स जैसे उपाय थे। इन असमानताओं के विरुद्ध 1950-60 में व्यापक जनांदोलन उभरे, जिनमें श्वेत और अश्वेत सामाजिक

कार्यकर्ताओं के साथ-साथ अश्वेत श्रमिकों ने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर संघर्ष को दिशा दी। इन आंदोलनों की रीढ़ घरेलू कामगार, औद्योगिक श्रमिक और उनके संगठन थे, जिन्होंने हर स्तर पर संघर्ष को जीवित रखा। ग्रामीण इलाकों में हिंसा और दमन के बावजूद खेतिहर मजदूरों व बटाईदारों ने यूनियनें बनाईं और फ्रीडम समर जैसे अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई। इन सबके बीच पादरी मार्टिन लूथर किंग (जूनियर) इस आंदोलन के सबसे प्रेरक और नैतिक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे।

उन्होंने महात्मा गांधी की अहिंसा, श्सविनय अवज्ञा आंदोलनश् व सत्याग्रह से प्रेरित होकर श्रमिक वर्ग की शक्ति को संगठित कर संघर्ष को राष्ट्रीय स्वरूप दिया। एक दिसंबर 1955 को एक साधारण कामकाजी महिला रोजा पार्क्स द्वारा मॉन्टगोमरी की बस में श्वेत अमेरिकी नागरिक के लिए अपनी सीट छोड़ने से इंकार करना अचानक उपजा विद्रोह नहीं था। यह वर्षों से सहते आ रहे अपमान के विरुद्ध एक शांत, पर निर्णायक प्रतिकार था। उनकी गिरफ्तारी ने अश्वेत समाज को झकझोर दिया और 381 दिनों तक चलने वाले श्मॉन्टगोमरी बस बहिष्कारश् की शुरुआत हुई। इस बहिष्कार की असली ताकत घरेलू कामगार महिलाएं, औद्योगिक श्रमिक, खेतिहर मजदूर और निम्न आय वर्ग के वे लोग थे, जो रोजमर्रा के आवागमन के लिए इन्हीं बसों पर निर्भर थे। बहिष्कार का सबसे बड़ा बोझ भी इन्हीं ने उठाया। लोग मीलों पैदल चले, चर्चों की वैनें चलीं, कार-पूल बने, टैक्सी चालकों ने कम किराए पर यात्राएं कराईं। सुबह अंधेरे में निकलने वाली घरेलू कामगार महिलाएं और मजदूर, लंबी दूरी पैदल चलने की कठिनाइयों के बावजूद डटे रहे। दूसरी ओर श्वेत प्रतिरोध लगातार हिंसक होता गया, किंग के घर पर बम फेंके गए, कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर जेलों में प्रताड़ित किया गया और आंदोलनकारियों को निरंतर धमकियां दी गईं। इसके बावजूद आंदोलन की आत्मा गांधीजी की अहिंसा के अनुरूप ही रहीय जेल की कोठरियों और सड़कों पर वी शैल ओवरकम जैसे आशा भरे गीत गूंजते रहे। मनुष्य की गरिमा और समानता का प्रतीक यह गीत भारत में भी श्हम होंगे कामयाब एक दिन के रूप में लोकप्रिय हुआ। मॉन्टगोमरी बस आंदोलन की श्रमिक आधारित नैतिक शक्ति ने विद्यार्थियों में भी प्रतिरोध की नई चेतना जगाई। इसी प्रेरणा से 1960 का सिट इन मूवमेंट जन्मा, जब ग्रीन्सबोरो के चार छात्रों ने श्वेत आरक्षित लंच-काउंटर पर बैठकर अलगाव को चुनौती दी। कुछ ही महीनों में हजारों छात्रों ने इस अहिंसक सत्याग्रह के माध्यम से नस्लीय भेदभाव के खिलाफ बिगुल फूंक दिया। 1961 का फ्रीडम राइड आंदोलन, जिसकी रीढ़ श्रमिक और छात्र थे, अमेरिकी लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा बन गया। बसों में सवार शांतिपूर्ण आंदोलनकारियों पर श्वेत भीड़ की क्रूर हिंसा और गिरफ्तार अश्वेत यात्रियों को प्रताड़ित किये जाने की खबरों ने अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय छवि को गहरा आघात पहुंचाया। 1963 का मार्च ऑन वॉशिंगटन आज भले ही किंग के आई हैव अ ड्रीम भाषण से पहचाना जाता हो, पर इसकी नींव श्रमिक नेता ए. फिलिप रैंडोल्फ और ब्रदरहुड ऑफ स्लीपिंग कार पोर्टर्स यूनियन ने रखी थी।

मई दिवस 2026 तय करो किस ओर हो तुम

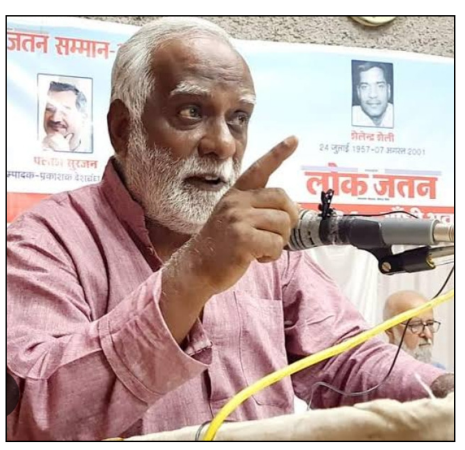

(मई दिवस पर विशेष आलेख ¬ बादल सरोज)

इस बार के मई दिवस की तकलीफ देने वाली विशेषता यह है कि यह उन हालात को साक्षात साकार करने वाले समय में आया है, जिनके खिलाफ 1886 में शिकागो के मजदूरों ने जंग शुरू की थी ¬ शहादतें दी थीं। यूं भारत में हावड़ा के रेलवे मजदूर इससे पहले भी यही मांग ¬ आठ घंटे काम की मांग को लेकर हड़ताल कर चुके थे, मगर शिकागो की शहादतों ने इसे दुनिया भर के मजदूरों की आठ घंटे ही नहीं, पूँजीवाद के खात्मे की मांग के संघर्ष में बदल दिया। इसी लड़ाई और उसके साथ मजदूर वर्ग की अगुआई में रूस सहित दुनिया के एक बड़े हिस्से में समाजवादी समाज की स्थापना ने आठ घंटे कार्य दिवस को वास्तविकता में बदल दिया। आज ठीक वही उपलब्धि खतरे में है। पूँजीवाद के भेड़िए मजदूरों को चींथने, भभोड़ने के लिए लपक रहे हैं। थोड़े-बहुत उजाले को भी बुझाने और अन्धकार का साम्राज्य कायम करने की हर संभव कोशिशें की जा रही हैं। 12 फरवरी की देशव्यापी हड़ताल के बाद हाल के दिनों में बरौनी, पानीपत, गुड़गाँव, नोएडा, फरीदाबाद, सूरत सहित सैकड़ों औद्योगिक केंद्रों में लाखों मजदूर सीधे लड़ाई में उतरे हैं और आठ घंटे काम तथा समुचित वेतन की मांग को लेकर अपने गुस्से का इजहार किया है। आक्रोश के इस विस्फोट ने इस शर्मनाक सच्चाई को उजागर किया है कि देश की राजधानी की नाक के नीचे के इलाकों से लेकर प्रधानमंत्री के सूरत तक में देश के मेहनतकश कितनी शर्मनाक स्थिति में काम कर रहे हैं, नारकीय जीवन जी रहे हैं। इसी तरह का गुस्सा तेलंगाना, कर्नाटक में भी फूटा है, जहां हजारों संविदा श्रमिक अपने अधिकारों – न्यूनतम वेतन, 8 घंटे का कार्यदिवस, नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान – के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन सबके साथ सरकारें क्या कर रही हैं? वे श्रमिकों को अधिकार देने, उनके संवैधानिक अधिकारों का अमल सुनिश्चित कराने के बजाय मजदूरों को पीट रही हैं। उनके नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है और लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। यह सब जानते हैं कि यह दमन केवल कॉर्पोरेट लूट को बचाने के लिए किया जा रहा है। यह अलग बात है कि इतने कठोर दमन, गिरफ्तारी और धमकियों के बावजूद श्रमिकों ने अद्भुत साहस दिखाया है। लूट कितनी भयावह है, यह इन इलाकों और इस दौर के शोषण की प्रवृत्ति को लेकर हुए कुछ अध्ययनों ने दर्ज किया है। अर्थशास्त्री वी. अनंथा नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण में कहा कि कॉर्पोरेट सेक्टर ÷मुनाफ़े में तैर रहा है÷, जबकि वेतन वृद्धि सुस्त बनी हुई है। आंकड़े उनकी बात की पुष्टि करते हैं। आंकड़े बताते हैं कि 13,000 से अधिक कंपनियों के नमूने सर्वे में कर-पूर्व लाभ 2019-20 से 2022-23 के बीच लगभग चार गुना हो गया है। निफ्टी में सूचीबद्ध 500 कंपनियों ने अकेले 2023-24 में 22.3त्न की लाभ वृद्धि

दर्ज की है, जबकि इस अवधि में इन कंपनियों में रोजगार केवल 1.5त्न ही बढ़ा है। इसका मतलब है कि मौजूदा लोगों से ही ज्यादा काम लेकर उन्हें दिए जाने वाले वेतन को बढ़ाने की बजाय कम किया गया है। खुद सरकार सरकार का श्रमशक्ति - लेबर फोर्स - का सर्वे एक और गंभीर तस्वीर पेश करता है। इसके मुताबिक़ 2021-22 से 2023-24 के बीच भारत की जीडीपी लगभग 6.7त्न सालाना की दर से बढ़ी, लेकिन नियमित कामगारों का वास्तविक वेतन 0.07त्न घट गया। जब नियमित मजदूरों की यह हालत है, तो असंगठित कहे जाने वाले मेहनतकश किस स्थिति में होंगे, समझा जा सकता है। इसी सरकारी रिपोर्ट के हिसाब से लगभग एक दशक से औपचारिक विनिर्माण क्षेत्र में, खासकर ठेका मजदूरों के बीच, वेतन ठहराव बना हुआ है। इस ठहराव का संरचनात्मक कारण एक दोहरी व्यवस्था है, जो फैक्ट्रियों में चुपचाप जड़ जमा चुकी है। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के विश्लेषण -- जो उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित है -- के अनुसार, संगठित फैक्ट्री रोजगार में ठेका मजदूरों की हिस्सेदारी लगभग दोगुनी हो गई है –2001-02 में करीब 22त्न से बढ़कर 2021-22 में 40त्न से अधिक। ऑटोमोबाइल और ऑटो-कंपोनेंट सेक्टर, जो आज के असंतोष का केंद्र है, इसमें यह प्रवृत्ति विशेष रूप से स्पष्ट है। ठेका मजदूर, जो उसी असेंबली लाइन पर लगभग वही काम करते हैं, जो नियमित कर्मचारी करते हैं, मगर वे उनकी तुलना में 30त्न तक कम वेतन पाते हैं। उन्हें कोई वैधानिक लाभ भी नहीं मिलता। कुछ प्लांट्स में ठेका श्रम लागत का अंतर 78-85त्न तक है। मालिक कानूनी जिम्मेदारियों से बच जाता है, ठेकेदार अपना मार्जिन रखता है और सारा जोखिम मजदूर को ही उठाना पड़ता है – न सुरक्षा, न महंगाई से बचाव। भारत के 80त्न से अधिक कामगार औपचारिक रोजगार ढांचे से बाहर हैं। ठेका फैक्ट्री मजदूर की औसत मासिक आय लगभग 13,000 रुपये है। यह सिर्फ असंतोष के इलाकों के उदाहरण हैं। असल में तो यह पूरे देश की बात है। मोदी राज में शोषण कई गुना और प्रतिरोध से निबटने के लिए दमन और भी अधिक गुना हुआ है। इसके रूप में जाने की बजाय इसके सार को देखने से इसका कारण और इसकी वजह समझ आ जाती है। शासक वर्गों की बर्बरता की जाहिर उजागर वजहें हैं ; उनका गुब्बारा पिचक रहा है, शीराजा बिखर रहा है। लाख साजिशों के बाद भी पूँजीवाद का संकट सुलझने में नहीं आ रहा, हर गुजरते दिन के साथ और गहरा हो रहा है। अपने आपको बचाने के लिए पूँजीवाद जिस वैश्वीकरण की रणनीति को लाया था, वह भी इस शोषणकारी निजाम को बचा नहीं पायी है। पूँजीवाद को गाय की पूंछ की तरह वैतरणी पार करने का मुक़द्दस जरिया बताने वाले पंडित भी अब विलाप कर रहे हैं। उन्होंने भी इस व्यवस्था के दिवालियेपन को कबूल कर लिया है। पूँजीवाद के इस अतार्किक बेतुकेपन से मुक्ति पाने के लिए वे नव-उदार चालबाजी के एक और उतने ही अतार्किक बेतुके रास्ते को आजमाने पर आमादा हुए थे। मगर यह नव-उदार मंत्र भी, जैसा कि होना ही था, चौतरफा विफल होकर चारों खाने चित्त हुआ पड़ा है। इसके चलते जो होना था वही हो रहा है ¬ भारी गरीबी बढ़ रही है, पूरी दुनिया में असमानता की खाई चौड़ी हुई है और दौलत का कुछ हाथों में अश्लीलता की हद तक केन्द्रीकरण हो गया है। इस सबने इस निजाम की भंगुरता और अव्यावहारिकता को उजागर करके रख दिया है। लोग इस सबको स्वीकार करने को तैयार नहीं है, वे लड़ रहे हैं। कारपेरिट की चाकर सरकारें अपने आका के इशारे पर इनका दमन कर रही हैं। क्या ये लड़ाई सिर्फ उनकी है? नहीं। भारत के शास्त्र-पुराण के रूपक मे कहें, तो यह एक समुद्र मंथन है। इसमें हर मनुष्य की हाजिरी को जांचने के लिए कवि दिनकर, मुक्तिबोध और बल्लीसिंह चीमा तीनों खड़े हुए हैं। चीमा सुझा रहे हैं कि ÷तय करो किस ओर हो तुम÷। रामधारी सिंह दिनकर आगाह कर रहे हैं कि ÷जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनका भी अपराध÷। वहीं मुक्तिबोध ÷पार्टनर तुम्हारी पॉलिटिक्स क्या है÷ पूछ भी रहे हैं और अँधेरे की सीमाएं बताते हुए आह्वान भी कर रहे हैं कि ¬ ÷अब अभिव्यक्ति के सारे ख़तरे / उठाने ही होंगे।/ तोड़ने होंगे ही मठ और गढ़ सब।/ पहुँचना होगा /दुर्गम पहाड़ों के उस पार÷ मई दिवस 2026 इस संकल्प को दोहराता है कि वह अँधेरे के खिलाफ है, उजाले के साथ है।

विपक्ष के आगे लाचार सत्तारुढ़ भाजपा विपक्ष के आगे लाचार सत्तारुढ़ भाजपा

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण की मुहिम अब भाजपा के लिए चुनावी हथियार बन चुकी है। पाठक जानते हैं कि हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच 16 अप्रैल को केंद्र सरकार ने संसद का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया था। जबकि सारे जरूरी काम कुछ दिन पहले खत्म बजट सत्र में भी किए जा सकते थे। लेकिन विशेष सत्र बुलाने पर विशेष कवरेज भी सरकार को मिलता और यही भाजपा का मकसद भी था। महिलाओं के आरक्षण से जुड़ा नारी शक्ति वंदन अधिनियम तो 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका था। फिर भी इसे तीन साल तक अमल में लाने लायक नहीं बनाया गया। मोदी सरकार ने इसे आगामी जनगणना और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन तक ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जबकि महिला आरक्षण को लागू करके 2024 के लोकसभा और तब से संपन्न कई विधानसभा चुनाव कराए जा सकते थे। लेकिन इसमें भाजपा को चुनावी फायदा शायद नहीं होता। इसलिए 131वें संविधान संशोधन विधेयक की आड़ में पहले से ही पारित महिला आरक्षण विधेयक को दोबारा संसद के पटल पर रखने की चाल भाजपा ने चली। मगर विपक्ष की एकजुटता और दमदार विरोध से यह विधेयक संसद में गिर गया। कायदे से इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए था क्योंकि इससे उनकी सरकार के अल्पमत में होने का प्रमाण मिल चुका था।

लेकिन इसकी जगह अब विपक्ष को महिला विरोधी बताने की मुहिम देश भर में भाजपा ने छेड़ दी है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में विधानसभाओं के विशेष सत्र इसी मुद्दे पर बुलाए गए और मजेदार बात ये है कि कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरने के लिए जो शब्दावली इस्तेमाल में लायी जा रही है, वो एक ही कलम से निकली हुई लग रही है। जैसे भाजपा की ट्रोल आर्मी सोशल मीडिया पर किसी को चने के झाड़ पर चढ़ाने या फिर उसे बदनाम करने के लिए एक जैसे पोस्ट थोक के भाव में करवाती है, कुछ वैसा ही माहौल अब विधानसभाओं का बनाया जा रहा है। जैसे उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने समाजवादी पार्टी के लिए कहा कि श्आपके आचरण पर तो गिरगिट भी शरमा जाए। आज अगर आप 33 प्रतिशत आरक्षण की बात कर रहे हैं, तो संसद में इसका विरोध क्यों किया था?श् योगी ने कहा कि श्आप आधी आबादी की गरिमा, सम्मान और उत्थान के लिए उठाए गए हर सकारात्मक कदम का विरोध करते हैं। लोकसभा में 16 और 17 अप्रैल को आपका आचरण सबने देखा। वहीं मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही कहा संविधान संशोधन का श्रेय हमें नहीं चाहिए। कांग्रेसी साथियों की नकारात्मकता ऐसी रही है कि, वे पक्ष में और विपक्ष में रहते हुए महिला आरक्षण का विरोध करते हैं। कांग्रेसी गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं। इससे तो गिरगिट भी शरमा जाए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को कोई भी परिसीमन के संशोधन के बिना पास नहीं कर सकता है। अब सोचने वाली बात ये है कि विपक्ष के विरोध के लिए गिरगिट ही आदित्यनाथ योगी और डॉ.मोहन यादव को क्यों याद आई। क्या इन दोनों में से कोई भी दूसरा उदाहरण पेश नहीं कर सकता था। वहीं दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में भाजपा विधायक दल ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नारी शक्ति अधिनियम के संसद में पास ना होने पर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद कांग्रेस और सपा को नारी विरोधी, विश्वासघाती कहा गया। साथ ही विरोध का खास जोर राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर रहा। विधानसभाओं के विशेष सत्र के अलावा 29 तारीख को काशी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि काशी के सांसद के तौर पर, देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुझे देशहित के एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आपका आशीर्वाद चाहिए। और यह बड़ा लक्ष्य है, लोकसभा-विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करना। अभी कुछ दिन पहले सपा और कांग्रेस जैसे दलों की वजह से हमारा यह प्रयास संसद में सफल नहीं हो पाया, लेकिन मैं आप सभी बहनों को फिर से भरोसा देता हूं कि आपके आरक्षण का हक लागू हो, इसमें कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ूंगा। 2014 से श्री मोदी के पास देश की सत्ता है, सारे संसाधन, प्रशासनिक तंत्र, अधिकारी उनके मातहत हैं और वे चाहें तो इनका सकारात्मक उपयोग करके देश के सूरतेहाल बदल डालें। लेकिन प्रधानमंत्री 12 साल बाद भी जनता से उसका आशीर्वाद ही मांग रहे हैं कि मैं ये करुंगा, वो करुंगा। पता नहीं हमारे प्रधानमंत्री कितने लाचार हैं कि हर मंच से वे केवल अपना दुखड़ा ही बताते हैं कि विपक्ष उनको कितना परेशान करता है। सत्ता पर बैठकर विपक्ष का रोना रोने वाली सरकार पहली बार देश को मिली है और अकेले प्रधानमंत्री ही नहीं, उनका देखा-देखी अब राज्यों के मुख्यमंत्री भी काम करने की जगह विपक्ष को कोस रहे हैं। पहले सरकार से नाराजगी होती थी तो जनता प्रधानमंत्री या सत्तारुढ़ नेताओं के पुतले फूंका करती थी, लेकिन मोदी राज में उल्टी गंगा बह रही है। उत्तरप्रदेश में बिजनौर, बहराइच जैसे कई जिलों में राहुल गांधी और अखिलेश यादव के पुतले भाजपा नेताओं ने फूंके। मानो विपक्ष ने सरकार के किसी काम का विरोध कर कोई अपराध कर दिया हो। भाजपा नेताओं ने यह भी नहीं सोचा कि लोकतंत्र है तो उसमें कम से कम दो पक्ष होंगे ही। चीन या उत्तर कोरिया की तरह देश में अभी एकल पार्टी व्यवस्था नहीं बनी है, न ही एक व्यक्ति ही सर्वोपरि है। यहां संविधान का शासन है, जिसके अनुसार लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली काम करती है। जिसमें विपक्ष को पूरा हक है कि वह किसी विधेयक पर अपना विरोध दर्ज कराए। इस पर अगर पुतले जलाने की नौबत आए तो इसका मतलब है कि भाजपा लोकतंत्र के मामले में काफी अपरिपक्व है, उसे बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। बहरहाल, अखिलेश यादव और राहुल गांधी का पुतला फूंकने के दौरान बहराइच में एक हादसा हो गया, जिसमें आग लगाने वाली भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल ही जल गई, और अब उनका इलाज लखनऊ के एक अस्पताल में चल रहा है।

असली गिरगिट तो मुख्यमंत्री खुद हैं, जो 'नारी वंदन' को 'नारा' बनाना चाह रहे हैं- अखिलेश यादव

भाजपा देश की नारियों, महिलाओं को आरक्षण देना ही नहीं चाहती- अखिलेश यादव

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। महिला आरक्षण पर हो रही सियासत के बीच बृहस्पतिवार 30 अप्रैल को उप्र विधानसभा का विशेष सदन बुलाये जाने पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि असली गिरगिट तो मुख्यमंत्री खुद हैं, नारी वंदन को नारा वंदन बनाना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा- कल हम लोग सदन में सीएम योगी को सुन रहे थे। पूरी बीजेपी इस कोशिश में है कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर यह साबित किया जाए कि विपक्ष इसके खिलाफ है। सच्चाई यह है कि भाजपा देश की नारियों, महिलाओं को आरक्षण देना नहीं चाहती। सपा प्रमुख ने सीएम के गिरगिट वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा- गिरगिट को करीब से देखिए तो एक रंग से दूसरे रंग में मिलता है। असली गिरगिट का काम तो भाजपा कर रही है। भाजपा की साजिश हार गई, इसलिए यह विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आए। उनकी साजिश का खुलासा हो गया। इसी साजिश के तहत ये लगातार सड़क और सदन में ऐसा कर रहे हैं। उनकी भाषा गिरगिटी है। आप खुद जानते हैं कि असली गिरगिट कौन है। महिलाएं कितनी असुरक्षित हैं। भाजपा के काम करने के तरीके की वजह से लोग कानून को नहीं मान रहे हैं। न्याय के लिए न्यायिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। लखनऊ में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। बौद्ध भिक्षुओं ने वंदना और उपदेशों के माध्यम से शांति, समानता और करुणा का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में बौद्ध धर्म के अनुयायी सपा कार्यालय पहुंचे, जहां बौद्ध धर्म को सनातन और भारत का मूल धर्म बताया गया। कार्यक्रम में सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई और बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिससे धार्मिक और सामाजिक एकता का माहौल बना। साजिश के तहत लोकसभा बुलाया गया था सपा प्रमुख ने कहा- जब नई लोकसभा का गठन हुआ था और नई लोकसभा भवन का उद्घाटन हुआ था, उस समय सभी दलों ने समर्थन देकर महिला आरक्षण विधेयक को पास करने का काम किया था। लेकिन इसके बाद हाल ही में जिस तरह से सदन बुलाया गया, उसकी नीयत खोटी थी। वे यह चाहते थे कि सभी दलों के सांसद, चाहे वे बंगाल के हों या तमिलनाडु के, जहां भाजपा बुरी तरह हार रही है, वहां के सांसद चार-पांच दिन अपने चुनाव प्रचार में न लग पाएं। इसीलिए मिडिल ऑफ इलेक्शन के दौरान सदन बुलाया गया। भारत में या दुनिया में शायद ही कभी ऐसा हुआ हो कि चुनाव के बीच इतने महत्वपूर्ण फैसले के लिए सदन बुलाया गया हो। यह सब एक सोची-समझी रणनीति और साजिश के तहत किया गया, ताकि विपक्ष को बदनाम किया जा सके। जब बीजेपी के पास कोई और मुद्दा नहीं बचा, तो वह जानबूझकर महिला आरक्षण बिल के साथ डिलिमिटेशन का मुद्दा लेकर आ गई। अखिलेश ने कहा कि सिलेंडर के बढ़ने से रोटी से लेकर सबकुछ महंगा हो जाता है। ये लोग अपने लोगों का मुनाफा कम नहीं होने देते हैं। यूपी के सारे ठेकेदार हाथ खड़े कर देंगे कि सड़क कैसे बनाएं। मुश्किल है कि हम किस पर भरोसा करें। बंगाल में दीदी ऐतिहासिक वोट से जीतेंगी अखिलेश ने कहा- यूपी में जो ट्रायल किया था, उसका ऑपरेशन पश्चिम बंगाल में किया। रिवॉल्वर लगाकर वोट रोका गया बावजूद इसके दीदी ऐतिहासिक वोट से जीतेंगी। भाजपा की हर साजिश हारेगी। जनता समझदार है। इसलिए महिलाएं उनके आंदोलन में नहीं जुड़ रही हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा को पर्यावरण, धरती, नदियों और जंगल से कोई लगाव नहीं है। इन्हें सिर्फ वोट चाहिए। इन्होंने जो टैबलेट दिए हैं, उनमें उंगली घिसते रहिए, चलता ही नहीं है। पीडीए की हवा चली तो उनकी जमानत जब्त होगी।

अचलगंज में शस्त्र दुकानों की सघन जांच नियमों के पालन के सख्त निर्देश

उन्नाव। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और शस्त्रों के दुरुपयोग पर रोक लगाने के उद्देश्य से गुरुवार, को क्षेत्राधिकारी बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा ने अचलगंज कस्बे में शस्त्र दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अचलगंज पुलिस बल भी उनके साथ मौजूद रहा। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ने दुकानों के अभिलेखों की गहन जांच की। उन्होंने शस्त्रों के रख-रखाव, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर तथा लाइसेंस संबंधी सभी दस्तावेजों का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि दुकान में मौजूद सभी शस्त्र एवं कारतूस सुरक्षित ढंग से और शासन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप रखे गए हैं। चेकिंग के दौरान कुछ दुकानदारों को अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए गए। क्षेत्राधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि शस्त्रों की बिक्री केवल वैध लाइसेंस धारकों को ही की जाए और प्रत्येक लेन-देन का सही तरीके से रिकॉर्ड रखा जाए। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि शस्त्रों के रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने यह भी साफ किया कि यदि किसी भी दुकान में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करना तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे निरीक्षणों से अपराध पर नियंत्रण में मदद मिलेगी और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी।

आबकारी इंस्पेक्टर सतीश दीक्षित के नेतृत्व में शराब माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी

- शराब की दुकानों पर इंस्पेक्टर के औचक निरीक्षण हड़कंप
- क्षेत्र से कच्ची शराब ग़ायब शराब माफिया हुए भूमिगत
- इंस्पेक्टर के कार्यों की जनता कर रही है प्रशंसा

अमेठी। आबकारी इंस्पेक्टर सतीश दीक्षित के नेतृत्व में लगातार कच्ची शराब माफियाओं एव ओवर रेटिंग पर लगातार अपनी नजर जमाये रहते हैं और करवाई भी हो रही है इंस्पेक्टर की टीम जब क्षेत्र में निकलती में निकलती है तो शराब की दुकानदार एवं कच्ची शराब बनाने माफियाओं पर पसीने छूटने लगते हैं और अगर कहीं पर कुछ भी मिला तो सिंघम की तरह जाने माने इंस्पेक्टर सतीश दीक्षित से बचकर जा नहीं सकते हैं चाहे जितने भी पकडदार एवं पहुंच वाले हो लेकिन कार्रवाई होना बिल्कुल तय है यही नहीं अमेठी क्षेत्र से इन दिनों कच्ची शराब बनना बिल्कुल गायब दिख रही है क्योंकि इंस्पेक्टर की शक्ति के आगे जितने शराब माफिया हैं भूमिगत नजर आ रहे हैं जिधर इंस्पेक्टर सतीश दीक्षित निकलते हैं हड़कंप मच जाता है और चेहरे पर पसीने छूटने लगते हैं अमेठी जिला आबकारी विभाग में चार इंस्पेक्टर हैं लेकिन श्री दीक्षित की एक अलग पहचान है इनका अलग कार्य भी है अपने कार्यों के प्रति सदैव सजग रहते हैं।

जनगणना के प्रथम चरण से पहले ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं ग्राम पंचायत सदस्यों को स्व-गणना का दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

औरैया। प्रमुख जनगणना अधिकारी/ जिला मजिस्ट्रेट बृजेश कुमार के निर्देशन में जनगणना 2027 का प्रथम चरण सकुशलता पूर्ण सम्पन्न कराये जाने के लिए 07 मई से पूर्व जनपद के समस्त ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं ग्राम पंचायत सचिवो को ब्लॉक स्तर पर स्व गणना की विस्तृत जानकारी, पहले दिन स्वयं जनगणना करने, ग्रामवासियो को प्रोत्साहित करने, साथ ही पंचायत के माध्मय से ग्राम स्तर पर प्रचार-प्रसार एवं किसी ग्राम में अप्रिय स्थिति एवं गलत सूचना के प्रसार पर विशेष ध्यान रखने हेतु विकास खण्ड स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा हैं जिसके क्रम में विकास खण्ड औरैया, विकास खण्ड अजीतमल एवं विकास खण्ड बिधूना में आज कार्यशाला सम्पन्न हुई तथा 04 मई 2026 को विकास खण्ड भाग्यनगर, विकास खण्ड सहार व विकास खण्ड अछल्दा और दिनांक 05 मई 2026 को विकास खण्ड एरवाकटरा में प्रातः 10 बजे से विकास खण्ड सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला के दौरान ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं ग्राम पंचायत सचिवों को स्व-गणना के संबंध में व्यावहारिक जानकारी देते हुए बताया गया कि किस प्रकार स्व-गणना के अधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर अंकित मोबाइल पर प्राप्त हुए ओटीपी के माध्यम से अपने राज्य, जिला व स्थानीय विवरण का चुनाव करते हुए अपना विवरण पोर्टल पर अंकित किया जा सकता है, साथ ही यह भी बताया गया कि किस प्रकार डिजिटल मानचित्र पर अपने मकान/भवन को चिन्हित करते हुए उसका विवरण दिए गए विकल्पों के माध्यम से पोर्टल पर अपलोड किया जा सकता है। उक्त के अलावा यह भी बताया गया कि पोर्टल पर अन्तिम सूचना अपलोड करने के साथ ही उसे सबमिट करने पर एक एसई आईडी प्राप्त होगी जिसे सुरक्षित रखे और 21 मई के उपरान्त जब प्रगणक उनके मकान पर सूचना संकलन हेतु आये तब एसई आईडी देकर प्रगणक को भरी हुई जानकारी की पुष्टि करने में सहायता करें।

30 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

औरैया/दिबियापुर। पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद औरैया के निर्देशन में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान को दृष्टिगत रखते हुये थाना दिबियापुर पुलिस टीम उ0नि0 राजेन्द्र कुमार थाना दिबियापुर जनपद औरैया द्वारा दिनांक 30.04.2026 को 30 अदद क्वार्टर देशी शराब नाजायज अन्तर्गत धारा 60 EX ACT के तहत अभियुक्त पंकज गुप्ता पुत्र राम कुमार निवासी ग्राम उमरी थाना दिबियापुर जनपद औरैया उम्र करीब 47 वर्ष को गिरफ्तार किया।

पशुशाला में भीषण आग से 9 मवेशी जिंदा जले, मौत

पीलीभीत के शिवनगर गौटिया में हुई घटना, सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन

पीलीभीत। जिले के बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र स्थित शिवनगर गौटिया में एक पशुशाला में आग लगने से नौ मवेशियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। यह घटना बुधवार सुबह होने से पहले रात में हुई। सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार, लेखपाल और पशु चिकित्साधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्राम पंचायत शिंभुआ के मजरा शिवनगर गौटिया निवासी कृपाराम की पशुशाला में लगी इस आग में चार गायें और पांच बकरियां जिंदा जल गईं। कृपाराम के अनुसार, वह जिस घर में रहते हैं, उससे अलग सरकारी सहायता से बनी पशुशाला में यह आग लगी। उन्हें ग्रामीणों द्वारा आग लगने की सूचना मिली थी। ग्राम पंचायत शिंभुआ के प्रधान पति राजेश कुमार शुक्ला की सूचना पर नायब तहसीलदार अवधेश कुमार और क्षेत्रीय लेखपाल विवेक कुमार दीक्षित ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पीड़ित कृपाराम से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। बिलसंडा के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. जगदेव सिंह ने मौके पर पहुंचकर मृत पशुओं का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद, सभी मवेशियों को जेसीबी मशीन से गड्ढा खोदकर जमीन में दफना दिया गया। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक नौ पशुओं की मौत हो चुकी थी। नायब तहसीलदार अवधेश कुमार का कहना है ग्रामीण की पाठशाला में आग लगने से 9 मवेशियों की जलकर मौत हो गई पोस्टमार्टम कराया गया। पीड़ित को सरकारी सहायता दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। पशुओं को दफनाने के समय अजय कुमार, प्रदीप कुमार, प्रेमपाल, अरुण कुमार, सोनू कुमार, गुड्डी देवी, शांति देवी सोमवती, धनदेवी धनपाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भेलिया गांव के शिवांश त्रिपाठी बने डॉक्टर, एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर रचा इतिहास

रायबरेली। भेलिया गांव के होनहार छात्र शिवांश त्रिपाठी ने अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन करते हुए एमबीबीएस की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। उन्होंने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज से अपनी मेडिकल शिक्षा पूर्ण की और अब वे एक योग्य डॉक्टर बन चुके हैं। यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, लगन और परिवार के निरंतर सहयोग का परिणाम है। शिवांश त्रिपाठी के पिता प्रमोद कुमार त्रिपाठी और माता अनामिका त्रिपाठी, जो शिक्षामित्र के रूप में कार्यरत हैं, ने अपने बेटे की शिक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने बेटे को उच्च शिक्षा दिलाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। शिवांश ने अपनी सफलता की नींव कोटा के प्रसिद्ध एलन संस्थान में रखी, जहां उन्होंने एक वर्ष तक कड़ी मेहनत कर नीट परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उनका चयन ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में हुआ, जहां से उन्होंने अब एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर ली है। उनके संयुक्त परिवार ने भी इस सफर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परिवार के प्रमुख सदस्यों में राजकुमार त्रिपाठी, विनोद त्रिपाठी और ललता प्रसाद शुक्ला शामिल हैं, जिन्होंने हर कदम पर शिवांश का मनोबल बढ़ाया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पूरे परिवार की एकजुटता और समर्थन ने इस सफलता को संभव बनाया। गांव भेलिया और आसपास के क्षेत्रों में शिवांश की इस उपलब्धि से खुशी और गर्व का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिवांश की यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत है। उनकी मेहनत यह साबित करती है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और परिवार का साथ मिले, तो किसी भी मंजिल को हासिल किया जा सकता है।

सर्वांगीण विकास पब्लिक कालेज ने आईसीएससी एवं आईएससी बोर्ड परीक्षाओं में कीर्तिमान स्थापित किया

लखनऊ। तेलीबाग स्थिति सर्वांगीण विकास पब्लिक कालेज के विद्यार्थियों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आईसीएससी एवं आईएससी परीक्षाओं में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट परंपरा को बरकरार रखा है। आईसीएससी (कक्षा 10) में उपस्थित सभी विद्यार्थी सफल रहे, वहीं आईएससी (कक्षा 12) में भी सभी छात्रों ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का शानदार प्रदर्शन किया। यह उपलब्धि विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। विद्यालय के निदेशक विवेक सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय द्वारा शीघ्र ही मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में Felicitation Ceremony आयोजित की जाएगी, जिसकी सूचना जल्द ही दी जाएगी।

पत्रकारों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

थाना प्रभारी शमसाबाद व कानूनगो द्वारा अवैध कब्जा कराने के मामले से कराया अवगत

फर्रुखाबाद। प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एसोसिएशन के पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने डीएम डॉ अंकुर लाठर को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया है कि शमसाबाद के वरिष्ठ पत्रकार महेश वर्मा की एक जमीन का विवाद माननीय न्यायालय में विचाराधीन चल रहा है। जिसमें न्यायालय द्वारा 29 फरवरी 2016 को अस्थाई आदेश पारित किया जा चुका है। कल दिनांक 29 अप्रैल 2026 को राजस्व निरीक्षक हरमुख ,थाना प्रभारी रमेश सिंह एवं थाना पुलिस की सह पर मुन्ना खां पुत्र नामालूम,जितेन्द्र शाक्य पुत्र सुभाष चन्द्र निवासी मझली हवेली अपने साथ 15-20 राजमिस्त्री ,मजदूर एवं लगभग 40-50 अज्ञात साथियों की बल पर महेश वर्मा की जमीन पर जबरिया निर्माण कार्य शुरू करा दिया। न्यायालय का आदेश दिखाने पर उन्होंने पत्रकार के साथ अभद्रभाषा का प्रयोग किया। जो कि न्याय संगत नहीं है क्योंकि किसी भी न्यायालय में विचाराधीन मामले पर राजस्व निरीक्षक व थानाप्रभारी बिना न्यायालय के आदेश पर जबरिया कब्जा कराना बिल्कुल गलत है। पत्रकार महेश वर्मा के साथ कोई भी अप्रिय घटना घटित होती है तो उसके पूर्णतः जिम्मेदार थाना प्रभारी रमेश सिंह,राजस्व निरीक्षक हरमुख ,मुन्ना खां,जितेन्द्र शाक्य व उनके 40-50 अज्ञात साथी होंगे। क्योंकि उक्त मामले को लेकर 05 अप्रैल को मुन्ना खां दबंग भूमाफिया अपने अज्ञात 25-30 साथियों को साथ जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया था। जिसके पश्चात 28 अप्रैल को पुनः पत्रकार महेश वर्मा द्वारा थाना प्रभारी को लिखित शिकायती पत्र देकर मामले से अवगत कराया जा चुका है। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन लाल गौड़, संजय शर्मा, अनिल प्रजापति, दीपक तिवारी, विनय सक्सेना, इरशाद अली, रमेश यादव, विश्व प्रकाश चतुर्वेदी,महेश वर्मा, रोहित गंगवार, विजय वर्मा आदि पत्रकार साथ रहे।

बिलसंडा में अंबेडकर जयंती शोभायात्रा, मुस्लिम समुदाय ने किया स्वागत: 135वीं जयंती पर बिलसंडा में निकली विशाल यात्रा

पीलीभीत। पीलीभीत के बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया। लुंबिनी बुद्ध बिहार कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया था। यह शोभायात्रा गुरुवार को घनश्यामपुर स्थित लुंबिनी बुद्ध बिहार कल्याण समिति के अंबेडकर पार्क से शुरू हुई। इसमें विभिन्न प्रकार की झांकियां शामिल थीं और अनेक वाहनों पर लोग सवार होकर चल रहे थे। शोभायात्रा कस्बे की पुरानी बैंक ऑफ बड़ौदा से होते हुए थाना गेट, मेन रोड और कमल पार्क तिराहे तक पहुंची। इसके बाद यह वंडा बस स्टैंड, बाईपास और ग्राम घनश्यामपुर की प्रमुख गलियों से गुजरते हुए पुनः अंबेडकर पार्क पहुंचकर समाप्त हुई। इस अवसर पर पूर्व ग्राम प्रधान नेतराम सागर, फ़ैज़ान शाह, विनय कुमार सागर, मुन्ने ख़ान, मनोज कुमार, राशिद मंसूरी, नंदनी, फ़रियाद सिद्दीकी, राम लड़ैती, भाग्यवती, राजेश कुमार, जितेंद्र कुमार आजाद, विमला देवी, सियाराम, बीरेंद्र उर्फ दारा सिंह, आनंद सागर, सोनपाल और दीपक सागर सहित बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चों ने भाग लिया। बिलसंडा थानाध्यक्ष सिद्धार्थ शर्मा के निर्देशन में कस्बा इंचार्ज सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल शोभायात्रा के साथ तैनात रहा।

पीलीभीत में शादी समारोह में हर्ष फायरिंग युवक के गले में लगी गोली, हालत गंभीर

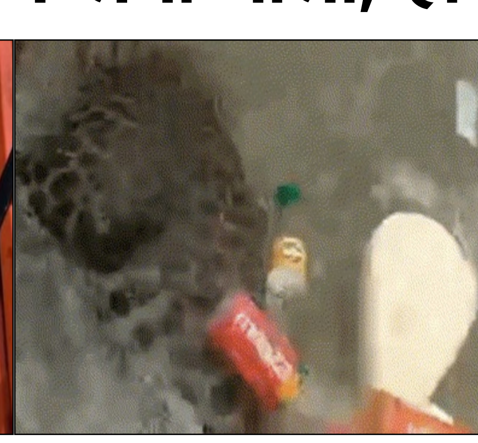

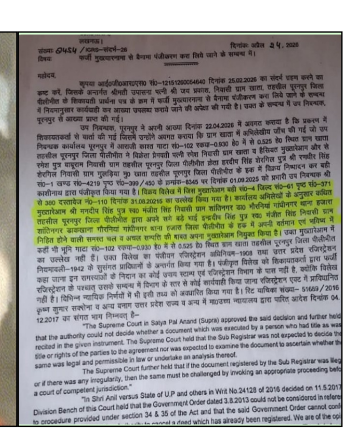

पीलीभीत जिले के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के सुआबोझ गांव में एक शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में एक युवक को गोली लग गई। बुधवार रात डीजे पर नाच रहे बारातियों के बीच हुई इस घटना से उत्सव का माहौल दहशत में बदल गया। घायल युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, सुआबोझ निवासी जगतवीर (पुत्र रामपाल) गांव में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होने गया था। समारोह में डीजे पर नाच-गाना चल रहा था, तभी कुछ लोगों ने अवैध असलहों से हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। इसी दौरान एक गोली जगतवीर के गले में जा लगी। गोली लगते ही जगतवीर जमीन पर गिर पड़ा, जिससे कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। खुशियों भरा माहौल चीख-पुकार में बदल गया। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल घायल जगतवीर को रात करीब 11 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। युवक की हालत फिलहाल चिंताजनक बनी हुई है। इस मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। थाना अध्यक्ष पवन पांडे ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। हर्ष फायरिंग करने वालों की पहचान की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नजीबाबाद सिद्ध बाली विहार कॉलोनी में फिर देखा गया गुलदार

बिजनौर। नजीबाबाद सिद्ध बाली विहार कॉलोनी में पवन कुमार उनके घर के ठीक सामने गुलदार देखा गया है। सिद्धबली विहार कॉलोनी वाशी उदयवीर ने भी देखा है गुलदार खुले आम कॉलोनी में घूम रहा है। यह बहुत गंभीर मामला है। इससे पहले भी कॉलोनी में गुलदार देखा जा चुका है और इसने गली के सभी कुत्तों को उठा लिया है। आप सभी से निवेदन है कि जान-माल की सुरक्षा हेतु निम्न कदम तुरंत उठाएं रात के समय अपने घरों से बाहर न निकलें। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। शाम ढलने के बाद घर के दरवाजे-खिड़कियां बंद रखें। अकेले बाहर न जाएं, समूह में ही निकलें और टॉर्च जरूर रखें। इसकी शिकायत तुरंत वन विभाग और स्थानीय पुलिस थाने में दर्ज कराएं। घर के आसपास अंधेरा न रखें, लाइट जलाकर रखें। यह हम सभी और हमारे बच्चों की सुरक्षा का सवाल है। कोई भी लापरवाही भारी पड़ सकती है। कृपया इस सूचना को गंभीरता से लें और अपने आस-पड़ोस में भी सभी को बताएं। प्रशासन से निवेदन है कि जल्द से जल्द गुलदार को पकड़ने की कार्रवाई करे।

बीकेटी गोमती बचाने की मुहिम को मिला समर्थन, अवैध कब्जे पर कार्रवाई की मांग तेज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। गोमती नदी पर कथित अवैध कब्जों के खिलाफ चल रही मुहिम को नया बल मिला है। गोमती संरक्षण को लेकर सक्रिय दीपक शुक्ला ꖘतिरंगा महाराजꖘ को अब राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना का समर्थन मिला है। शुक्रवार को सीतापुर स्थित संगठन के कार्यालय में तिरंगा महाराज ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास चतुर्वेदी से मुलाकात कर संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए। अवैध निर्माण के आरोप दीपक शुक्ला ने आरोप लगाया है कि नीलांश वाटर पार्क द्वारा गोमती नदी क्षेत्र में निर्माण कर प्राकृतिक जलधारा को प्रभावित किया गया है। उन्होंने दावा किया कि नदी के बीच दीवार जैसी संरचना बनाकर बहाव को मोड़ा गया है और आसपास की जमीन पर कब्जा किया गया है। इस मामले में कुछ स्थानीय लोगों के नाम भी सामने आए हैं। जांच रिपोर्ट का हवाला बताया जा रहा है कि राजस्व विभाग की एक जांच रिपोर्ट में भी नदी क्षेत्र में निर्माण और अतिक्रमण की बात सामने आई है। हालांकि, इस संबंध में अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने की बात कही जा रही है। संगठन की चेतावनी मुलाकात के बाद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करेगा। लंबे समय से चल रहा है अभियान तिरंगा महाराज पिछले कई वर्षों से गोमती संरक्षण को लेकर सक्रिय हैं। उनका कहना है कि इस दौरान उन्हें कानूनी और व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अभियान जारी रखा। गोमती नदी का महत्व गोमती नदी उत्तर प्रदेश के कई जिलों के लिए महत्वपूर्ण जल स्रोत है और इसका ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व भी रहा है। यह नदी लाखों लोगों की जल आवश्यकताओं को पूरा करती है और क्षेत्रीय पारिस्थितिकी का अहम हिस्सा है। पर्यावरणीय चिंताएं विशेषज्ञों के अनुसार, नदी क्षेत्र में अवैध निर्माण और जलधारा में बदलाव से कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे– जल प्रवाह में बाधा बाढ़ का खतरा भूजल स्तर पर असर जलीय जीवों पर खतरा प्रदूषण में वृद्धि निष्कर्ष गोमती नदी पर कथित अतिक्रमण का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। विभिन्न संगठनों के जुड़ने से प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ सकता है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

प्लॉट दिखाने गए व्यक्ति पर हमला, पत्नी ने थाने में दी तहरीर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। सरोजनीनगर क्षेत्र में प्लॉट दिखाने गए व्यक्ति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। गौरी बाजार निवासी अमृता शर्मा ने थाना सरोजनीनगर में तहरीर देकर बताया कि उनके पति महेन्द्र शर्मा प्लॉट दिखाने गए थे, तभी आशीष सिंह सेंगर, अनिल सिंह और दो अन्य लोगों ने उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। साथ ही विरोध करने पर अमृता शर्मा को भी गाली–गलौज किया गया। पीड़िता ने पति का मेडिकल परीक्षण कराकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बीकेटी अकोहरी गौशाला में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर विशेष बैठक और सम्मान समारोह आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बख्शी का तालाब क्षेत्र के अकोहरी गौशाला में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस (मजदूर दिवस) के अवसर पर एक महत्वपूर्ण बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धर्मपाल मंत्री उपस्थित रहे। उनके साथ खंड विकास अधिकारी पूजा सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष गणेश रावत सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर क्षेत्र के श्रमिक प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए और अपनी समस्याओं व सुझावों को खुलकर रखा। बैठक के दौरान श्रमिकों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई। खासतौर पर श्रम शोषण के उन्मूलन, न्यूनतम मजदूरी के प्रभावी क्रियान्वयन, श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों की सुरक्षा तथा उनके लिए सम्मानजनक जीवन स्तर सुनिश्चित करने जैसे विषय प्रमुख रूप से उठाए गए। मुख्य अतिथि धर्मपाल मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि श्रमिक देश की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके अधिकारों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए और सरकारी योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान गौ सेवा से जुड़े गौ सेवकों और गौपालकों को भी सम्मानित किया गया। उनके योगदान की सराहना करते हुए अतिथियों ने कहा कि गौ सेवा न केवल धार्मिक आस्था का विषय है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक संतुलन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया।

सीएमएस के 62 छात्रों ने 99 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर बनाया कीर्तिमान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के मेधावी छात्रों ने विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी आईएससी (कक्षा–12) एवं आईसीएसई (कक्षा–10) बोर्ड परीक्षाओं में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर न लखनऊ का गौरव पूरे देश में बढ़ाया है। स्कूल के 4 छात्रों ने इस वर्ष आईएससी बोर्ड परीक्षा में 99.75 प्रतिशत अंक अर्जित कर कीर्तिमान स्थापित किया है तो वहीं दूसरी ओर आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में 99.40 प्रतिशत से लेकर 99.80 प्रतिशत तक अंक अर्जित कर राष्ट्रीय स्तर पर उच्च स्थान अर्जित किया है। खास बात यह है कि इस वर्ष सीएमएस के 62 छात्रों ने 99 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर सिद्ध कर दिया है कि लखनऊ अब पूरे देश में शिक्षा का केन्द्र बन चुका है। आईएससी (कक्षा–12) बोर्ड परिणाम में 99.75 प्रतिशत तक अंक अर्जित करने वाले स्कूल के 4 मेधावी छात्रों में ओशीन अग्रवाल, संस्कृति चंदेल, जैनब फातिमा एवं छवि मिश्रा शामिल हैं। जबकि आईसीएसई (कक्षा–10) की बोर्ड परीक्षा में वैवस्वत नारायण दुबे ने 99.80 प्रतिशत, जहरा फातिमा व अनय अग्रवाल ने 99.60 प्रतिशत अंक और अफ शान अहमद, दिव्यांश कुशवाहा एवं फ रहीन खान ने 99.40 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है। खास बात यह है कि इस वर्ष सी.एम.एस. के 62 छात्रों ने 99 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर इतिहास रचा है, जिनमें आईएससी के 42 एवं आईसीएसई के 20 छात्र शामिल हैं। स्कूल के मीडिया हेड ऋषि खन्ना ने बताया कि स्कूल के 7030 छात्रों ने आईएससी एवं आईसीएसई बोर्ड में प्रतिभाग किया, जिसमें से 3709 (52.8 प्रतिशत) छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक जबकि 1441 छात्रों (20.5 प्रतिशत) ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये हैं। इसके अलावा, 1013 ऐसे छात्र हैं, जिन्होंने एक या अधिक विषयों में पूरे 100 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं।

व्यापार मंडल ने लखनऊ बार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चच्चू का किया अभिनंदन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। डालीगंज व्यापार मंडल के संरक्षक जी.एन. शुक्ला (चच्चू) की लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर हुई ऐतिहासिक जीत का जश्न आज शुक्रवार को डालीगंज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस गौरवशाली उपलब्धि के उपलक्ष्य में डालीगंज व्यापार मंडल द्वारा सम्मान समारोह %मुरलीधर रामनरायण की गद्दी% पर किया गया। इस मौके पर डालीगंज व्यापार मंडल के वरिष्ठ संरक्षक और अध्यक्ष गोविंद कृष्ण अग्रवाल (पप्पू बोरा) ने बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जी.एन. शुक्ला को अंगवस्त्र भेंट कर और माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। अध्यक्ष जी की इस अभूतपूर्व जीत को व्यापारियों ने अपनी जीत बताते हुए एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर पप्पू बोरा ने कहा कि शुक्ला की यह जीत उनके संघर्षों और विद्वता का परिणाम है, जिससे न केवल अधिवक्ता समाज बल्कि व्यापार जगत का भी मान बढ़ा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संरक्षक त्रिलोक चंद अग्रवाल, महामंत्री डॉ. राकेश कुमार अग्रवाल (पप्पू), जितेन्द्र सिंह, पीयूष अग्रवाल, रज्जु चौरसिया, रवि चौरसिया, पारस जैन, विवेक अग्रवाल, दीपक जैन, अमरनाथ अग्रवाल एवं क्षेत्रीय समस्त व्यापारी बंधु उपस्थित रहे।

कला के महारथी दिवाकर आर्य को मिला विशिष्ट जन सम्मान प्रसंशको में खुशी की लहर ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

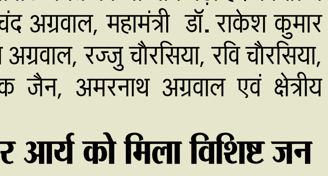

बरेली। जाने माने आर्ट कलाकार आर्मी पब्लिक स्कूल बरेली के कला विभागाध्यक्ष दिवाकर आर्य को परशुराम युवा मंच बरेली द्वारा विशिष्ट जन सम्मान दिया गया । यह सम्मान उनको कला क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कला प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनी में भाग लेने पर दिया गया है उनको यह पुरस्कार सुनील भराला पूर्व दर्जा राज्य मंत्री एवं कैंट विधायक संजीव अग्रवाल द्वारा दिया गया इस अवसर पर परशुराम युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मिश्रा जी भी उपस्थित थे। दिवाकर आर्य को सम्मान मिलने पर भगवा परिषद प्रदेश अध्यक्ष अजय कटियार,प्रदेश प्रवक्ता संतोष उपाध्याय, जिलाध्यक्ष डॉक्टर सुबोध अस्थाना,सुनील सक्सेना मिलन, रक्ष पाल सिंह,अश्विनी कमठान,बिट्टू मेहता, महेंद्र राठौर, शैलेन्द्र सक्सेना शैलू,दीपक राज,विपिन कौसर,प्रदीप सक्सेना,मनोज सक्सेना आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

दुकान पर दबंगों का हमला, दंपति से मारपीट का आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। बिजनौर थाना क्षेत्र के कमलापुर गांव में परचून की दुकान चलाने वाले रामखेलावन ने गांव के ही तीन लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। प्रार्थी के अनुसार, 4 मार्च 2026 की रात करीब 8ः30 बजे विवेक, सौरभ और कोमल ने दुकान से सामान मंगाने को कहा, मना करने पर गाली–गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने दुकान के सामने आकर रामखेलावन और उनकी पत्नी बिट्टो को लाठी–डंडों व लात–घूंसों से पीट दिया, जिससे दोनों घायल हो गए। पीड़ित ने थाना बिजनौर में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मिशन शक्ति 5.0 बंथरा व सरोजनीनगर पुलिस ने महिलाओं-बच्चों को किया जागरूक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। लखनऊ में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत बंथरा और सरोजनीनगर थाना पुलिस द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। बंथरा थाना टीम ने ग्राम दरियापुर क्षेत्र में भ्रमण कर महिलाओं और बच्चों को साइबर अपराध, घरेलू हिंसा से सुरक्षा, सरकारी योजनाओं और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के तरीकों की जानकारी दी। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी अवगत कराया। वहीं सरोजनीनगर थाना टीम ने हाइडिल तिराहा गौरी क्षेत्र में महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा प्रोटोकॉल, यातायात नियमों और साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। इस दौरान 1090, 181, 112 और 1930 जैसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

कानपुर लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कट एवं अधूरे पड़े नाले का औचक निरीक्षण

➲ विधायक प्रतिनिधि संग नेशनल हाइवे उच्च अधिकारियों का दौरा, दिया आश्वासन

➲ सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए नेशनल हाईवे कंपनी के उच्च अधिकारियों ने समाधान करने का दिया आश्वासन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर क्षेत्र में कानपुर लखनऊ एक्सप्रेसवे पर आबादी वाले इलाकों में कट डाइवर्जन और अधूरे पड़े नाले का निर्माण जैसी समस्या को लेकर स्थानीय लोगों ने डॉ राजेश्वर सिंह प्रतिनिधि निखिल त्रिपाठी और पार्षद गीता देवी के नेतृत्व में बीते गुरुवार को पीएनसी एवं भारतीय राष्ट्रीय राज्यमार्ग प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों से शांति नगर, स्कूटर इंडिया, दरोगा खेड़ा क्षेत्र के संबंध में महत्वपूर्ण वार्ता संपन्न हुई। इस मौके पर शंकरी सिंह भाजपा नेता, गौरी व्यापार मंडल अध्यक्ष अंबुज शर्मा , संजय सिंह चौहान वरिष्ठ भाजपा नेता, राजेश त्रिपाठी, भुवनेन्द्र सिंह उर्फ मुन्ना, हरीश चंद्र समाजसेवी, अमित जयसवाल, देवेंद्र यादव, अरुण पेंटर सहित क्षेत्र के अन्य आसपास के गणमान्य व्यापारी एवं नागरिक भी उपस्थित रहे। इस मौके पर दौरान हाईवे निर्माण के कारण क्षेत्रवासियों एवं व्यापारियों को आवागमन में हो रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से हाईवे को पार करने हेतु सुरक्षित एवं सुगम रास्ता उपलब्ध कराने के विषय को प्रमुखता से उठाया गया, इसी क्रम में जो अधूरे पड़े नाले है उसका भी निर्माण कार्य पूरा हो के साथ अन्य समस्याओं पर स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों ने हाईवे के कारण उत्पन्न हो रही दैनिक परेशानियों से अधिकारियों को अवगत कराया। पार्षद गीता देवी गुप्ता ने क्षेत्रवासियों की समस्याओं को गंभीरता से रखते हुए उच्च अधिकारियों से मांग की कि आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हाइवे पार करने के लिए समुचित मार्ग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और अधूरे पड़े नाला निर्माण कार्य को पूरा किया जाय। पीएनसी एवं नेशनल हाईवे के उच्च अधिकारियों ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना तथा आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने जनहित में सकारात्मक पहल के लिए पार्षद गीता देवी गुप्ता एवं डॉ राजेश्वर सिंह विधायक प्रतिनिधि निखिल त्रिपाठी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

मानपुर मंडी में जर्नल की दुकान में भीषण आग, ग्रामीणों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बक्शी का तालाब के सीतापुर रोड स्थित मानपुर मंडी क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक जर्नल (जनरल) दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान धू–धू कर जलने लगी। बताया जा रहा है कि दुकान के अंदर पेट्रोल, बोरी, पॉलिथीन, त्रिपाल सहित अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी, जिससे आग तेजी से फैल गई। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है और इसे अज्ञात बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और बिना देर किए पास में लगे नल से बाल्टियों में पानी भर–भरकर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। ग्रामीणों की तत्परता और साहस के चलते आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों का आरोप है कि फायर ब्रिगेड को सूचना देने के बावजूद दमकल की गाड़ी काफी देर से मौके पर पहुंची। तब तक स्थानीय लोगों ने खुद ही आग बुझा ली थी। घटना के बाद मौके पर पुलिस प्रशासन भी पहुंच गया और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन दुकान में रखा सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। प्रशासन द्वारा आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

गोमती माता के जयकारों से गूंजा शिव मंदिर घाट, दीप प्रज्वलन के साथ रुक गई तेज हवा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बैशाख पूर्णिमा के अवसर पर 1 मई को गोमती आरती संस्था द्वारा शिव मंदिर घाट, नियर बैरल नंबर 2, बंधा रोड, शिवनगर खदरा पर भव्य गोमती आरती का आयोजन किया गया। आरती की संयोजिका शोभा द्विवेदी के साथ अन्जू यादव, प्रीति तिवारी, अमृता पाण्डे, नीलम सिंह, शशि मिश्रा और नन्दिनी देवी ने माता की आरती संपन्न कराई। कार्यक्रम में ओम ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनंजय द्विवेदी मुख्य अतिथि और श्रीमती किरन शर्मा विशिष्ट अतिथि रहीं। छठ पूजा सांस्कृतिक उत्थान समिति के प्रचार मंत्री दिलीप सिंह, स्वास्थ्य प्रकोष्ठ से राजेन्द्र पाण्डे, लक्ष्मी जी, कोमल जी, प्रियंका जी, साधना मिश्रा, अनुष्का, नैना मिश्रा, पावनी, आराध्या, सुधा अवस्थी, शन्नो, गुड़िया जायसवाल, संजय गुप्ता, पुजारी बाबा, मनोज मिश्र, विनोद मिश्रा, किशन मिश्रा, नैमिष मिश्रा, सतीश जी, तेजश्वी जी समेत सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। सभी ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। आरती शुरू होने से पहले तेज हवा चलने से दीप जलने को लेकर भक्तों में चिंता थी। ओम ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनंजय द्विवेदी के आग्रह पर सभी ने गोमती माता का स्मरण कर दीप जलाए। श्रद्धा के साथ दीप जलते ही हवा शांत हो गई और पूरा शिव मंदिर घाट दीयों की रोशनी से जगमगा उठा।

सच दिखाने पर तिलमिलाए खनन माफिया, पत्रकार को दी देख लेने की धमकी।

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता मोहित

नजीबाबाद। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला थाना कोतवाली नजीबाबाद कोतवाली रोड स्थित कस्बा अकबराबाद का है, जहाँ रात के अंधेरे में हो रहे काले खेल को उजागर करना एक पत्रकार को भारी पड़ गया। मामला तीन दिन पहले का है, जब नजीबाबाद के कस्बा अकबराबाद में प्रतिबंधित समय पर अवैध मिट्टी खनन की खबरें प्रमुखता से प्रकाशित की गई थीं। रिपोर्ट में दिखाया गया था कि कैसे प्रशासन की आँखों में धूल झोंककर रात के अंधेरे में माफिया धरती का सीना चीर रहे हैं और अवैध परिवहन कर सरकारी राजस्व को चूना लगा रहे हैं। खबर प्रकाशित होने के बाद से ही खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के डर से डरे इन सफेदपोश अपराधियों ने अब अपनी असलियत दिखाते हुए पत्रकार को फोन पर सीधे तौर पर धमकी देना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि माफियाओं ने पत्रकार को फोन पर और अन्य माध्यमों से अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा का अभिषेक मनु सिंघवी पर पलटवार, बोले– 'मुझे लोकतंत्र का पाठ न पढ़ाएं'।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार, 1 मई को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी पर तीखा हमला बोला। यह जवाब पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा से जुड़ी विवादित टिप्पणी और उस पर जारी राजनीतिक बहस के बीच आया है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि उन्हें ꖘलोकतंत्र, सार्वजनिक विमर्श या शिष्टाचारꖘ पर किसी से भी पाठ पढ़ने की जरूरत नहीं है। एक्स पर किए गए पोस्ट में सरमा ने लिखा, ꖘमुझे लोकतंत्र, सार्वजनिक विमर्श या शिष्टाचार पर किसी से भी, खासकर ए.एम. सिंघवी से, कोई सबक नहीं चाहिए। शिष्टाचार और उनके साथ एक कमरे में रहना कभी संभव नहीं।ꖘ उन्होंने कहा कि असली मुद्दा राजनीतिक बहस नहीं, बल्कि एक निजी व्यक्ति को निशाना बनाए जाने का है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एक ऐसी महिला, जिसका राजनीति से कोई संबंध नहीं है, उसे राष्ट्रीय टेलीविजन पर बदनाम किया गया। उन्होंने कहा कि इसके लिए ꖘदूसरे देशों के फर्जी दस्तावेजोंꖘ का इस्तेमाल किया गया। सरमा ने यह भी दावा किया कि अदालतें इस मामले का संज्ञान लेंगी और दोषियों को सजा मिलेगी।उन्होंने लिखा, ꖘमुझे विश्वास है कि अदालतें इस पर जल्द या देर से ध्यान देंगी और जो व्यक्ति फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर एक महिला की छवि खराब करने तथा चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा था, उसे दंडित किया जाएगा।ꖘसरमा ने सिंघवी पर सीधा संवाद से बचने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मंचों पर टिप्पणी करना आसान है, जहां वह जवाब देने के लिए मौजूद नहीं होते। मुख्यमंत्री के अनुसार, ꖘयह बहस नहीं, बल्कि उस निष्पक्ष संवाद से बचना है, जिसकी आप वकालत करते रहे हैं।ꖘ अपने बयान के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने लिखा, ꖘऔर मैं साफ कर दूं, यह सिर्फ शुरुआत है, अंत नहीं। सत्यमेव जयते।ꖘयह प्रतिक्रिया सिंघवी की उस आलोचना के बाद आई, जिसमें उन्होंने सरमा के रुख पर सवाल उठाए थे और सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों का हवाला दिया था। सिंघवी ने कहा था कि विवाद से जुड़े कुछ सार्वजनिक बयान अनुचित थे और उन्होंने लोकतांत्रिक मानकों को कमजोर किया।उन्होंने लोकतंत्र में असहमति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की भी बात कही। यह ताजा बयानबाजी उस समय सामने आई है, जब सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को अस्थायी जमानत दी है। मामला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा पर कथित टिप्पणी से जुड़ा है। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने पहले फैसला सुरक्षित रखने के बाद शर्तों के साथ राहत दी।

शिक्षक–चिकित्सक हैं भविष्य के निर्माता– अविनाश पाण्डेय

➤ फर्जी डिग्री वालों के वादे भी फर्जी- सुप्रिया श्रीनेत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। कैसरबाग स्थित गांधी भवन में बुद्ध पूर्णिमा और श्रमिक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के शिक्षक एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने शिक्षकों और चिकित्सकों की भूमिका को समाज के भविष्य निर्माण में निर्णायक बताया, वहीं केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों पर तीखे सवाल उठाए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने कहा कि शिक्षक और चिकित्सक केवल भीड़ का हिस्सा नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाले वर्ग हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि हर बड़ी जीत के पीछे लंबा संघर्ष होता है और वर्तमान में लोकतंत्र पर हो रहे प्रहार का जवाब जनता समय आने पर देगी। पुरानी पेंशन योजना का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस सत्ता में आने पर इसे बहाल करेगी और शिक्षकों–चिकित्सकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि शिक्षक और चिकित्सक समाज के सजग प्रहरी हैं– एक शरीर को स्वस्थ रखता है तो दूसरा समाज की नींव मजबूत करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना दिया है, जिससे आम जनता प्रभावित हो रही है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने अपने संबोधन में कहा कि देश की बदहाल व्यवस्था को बदलने की ताकत शिक्षकों और चिकित्सकों में है, क्योंकि उनका सीधा जुड़ाव जनता से होता है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, जिनकी अपनी डिग्री संदिग्ध है, उनके वादे भी विश्वसनीय नहीं हो सकते। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि देश में शिक्षकों और डॉक्टरों के लाखों पद खाली हैंकृजहां हजारों डॉक्टरों की जरूरत है, वहां सीमित संख्या में ही काम चलाया जा रहा है, जिसका सीधा असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है। सम्मेलन में सांसद तनुज पुनिया, पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा सहित कई वरिष्ठ नेताओं और चिकित्सकों ने भी अपने विचार रखे और सरकार से शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार की मांग की।

सई ताम्हणकर

रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है, हर लड़की को दबंग होना चाहिए

एक्ट्रेस सई ताम्हणकर इस वक्त वेब सीरीज श्मटका किंगश् को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने श्नवभारत टाइम्सश् को दिए इंटरव्यू में अपने करियर, पे पैरिटी, रीजनल एक्ट्रेस होने के टैग और टाइपकास्ट चैलेंज पर बात की। पढ़िए वह क्या कुछ बोलींरू श्जो मेहनत करता है, उसे फल मिलता है।श् कहना है जानी-मानी एक्ट्रेस सई ताम्हणकर का। मराठी के साथ-साथ हिंदी फिल्म जगत में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरने वाली सई श्दुनियादारीश्, श्हंटरश्, श्मिमीश्, श्बेरोजगारश्, श्धुरलाश्, श्दलदलश् और श्डब्बा कार्टलट जैसे हिंदी-मराठी के प्रोजेक्ट्स से खुद को वर्सेटाइल एक्ट्रेस के रूप में साबित कर चुकी हैं। वह अपने सफर को बहुत ही ग्रेसफुल नजरों से देखती हैं और बहुत विनम्र महसूस करती हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज श्मटका किंगश् से। उनसे एक बातचीत। स्कूल में खेलती थी कबड्डी-कराटे सई आज मराठी और हिंदी इंडस्ट्री में अपना अच्छा नाम बना चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक्ट्रेस बनेंगी। वह बताती हैं, श्मेरे पिता जहाज में काम करते थे और अवसर समुद्री यात्राओं पर रहते थे। घर पर मैं और मम्मी ही होते थे, और उन्होंने मुझे हमेशा आत्मनिर्भर बनना सिखाया। मुझे मजबूत और दबंग बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। स्कूल में मैं 'कबड्डी गर्ल' के नाम से जानी जाती थी। मेरे घुटने हमेशा चोटिल रहते थे और मुझमें पारंपरिक 'लड़कियों वाली' बातें कम ही थीं। मैं टॉमबॉय थी। कॉलेज तक मेरा

बॉयकट हेयरस्टाइल रहा। इसी दौरान मैंने कराटे सीखा और ऑरेंज बेल्ट हासिल की। मेरी मां और खेलों ने मेरे आत्मविश्वास को और मजबूत किया। मेरे बेबाक और बिंदास स्वभाव की वजह से लोग मेरे सामने कुछ गलत करने से हिचकते हैं। मेरा मानना है कि हर लड़की को आत्मनिर्भर और दबंग होना चाहिए।श् मुझे मजबूत और दबंग बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। स्कूल में मैं कबड्डी गर्ल के नाम से जानी जाती थी। मेरे घुटने हमेशा चोटिल रहते थे और मुझमें पारंपरिक लड़कियों वाली बातें कम ही थीं। मैं टॉमबॉय थी। मेरे बेबाक और बिंदास स्वभाव की वजह से लोग मेरे सामने कुछ गलत करने से हिचकते हैं। हर लड़की को आत्मनिर्भर और दबंग होना चाहिए। रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है आमतौर पर साउथ या मराठी फिल्म जगत से आई हुई एक्ट्रेसेस को रीजनल एक्ट्रेस का टैग दे दिया जाता है। इस पर वह अफसोस जताते हुए कहती हैं, श्कभी-कभार दर्द होता है कि ऐसा क्यों है? हम तो दोनी ही इंडस्ट्री में उतनी ही लगन और मेहनत काम करते हैं। हालांकि वो जमाना चला गया है, जब भाषा के आधार पर विभाजन किया जाता था। इस मुद्दे पर मैं दर्शकों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वो हमें काम के आधार पर तौलें। जहां तक टैग देने की बात है, तो उन्हें तोड़ने में भी खूब मजा आता है। वो हमारे लिए ईंधन का काम करते हैं। मेरे जैसे और भी कई कलाकार हैं, जो इस बॉक्स को तोड़ने में लगे हुए हैं। हिंदी में श्मिमीश् एक ऐसी फिल्म थी, जिसने मुझे इस टैग से बाहर आने में मदद की। मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला और भी कई दूसरे पुरस्कार मिले।श् श्कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता हैश् सई मानती हैं कि लेबल लगाने के साथ-साथ कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है। वह कहती हैं कि ये सालों से अंडरकरंट देखा जाता है। वह कहती हैं, श्इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।श् इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं। प्रियंका और सामंथा लाईं बदलाव पुरुष प्रधान इंडस्ट्री में हीरोइन की तुलना में हीरो को ज्यादा अहमियत जी जाती है?

इस सवाल पर वह कहती हैं, श्कुछ सालों में ये हालात बदले हैं। प्रियंका चोपड़ा और सामंथा रुथ प्रभु का इस बदलाव में बड़ा योगदान यही। इन्होने धीरे-धीरे वो ब्रैकेट्स तोड़ने शुरू किए।

पहले की तुलना मैंने आज हालात बदले हैं, पहले तो बहुत ही बुरी स्थिति थी।श् पे पैरिटी के मुद्दे पर सई ताम्हणकर कहती हैं, श्जब भी नेगेटिव चीजें होती हैं, उनके बारे में काफी हो-हल्ला होता है, पर सकारात्मक चीजों पर बात काम ही होती है। मुझे लगता है आज पे पैरिटी में भी बदलाव आया है। आज हीरोइन हीरोज के समकक्ष खड़ी नजर आती हैं।श् जब भी नेगेटिव चीजें होती हैं, उनके बारे में काफी हो-हल्ला होता है, पर सकारत्मक चीजों पर बात काम ही होती है। मुझे लगता है आज पे पैरिटी में भी बदलाव आया है। आज हीरोइन हीरोज के समकक्ष खड़ी नजर आती हैं। वेब सीरीज के लिए छोड़ी अपनी प्राइज मनी इंडस्ट्री में दो दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुकी सई अपनी फीस को लेकर कहती हैं, श्मैं अगर अपनी बात करूं, तो कई बार मैं अपने मनमुताबिक अपनी फीस ले पाती हूं और कई बार नहीं ले पाती, मगर जितनी बार ले पाई, उसने मुझे बहुत हौसला दिया है। एक एक्टर को पता होता है कि कब अपनी फीस छोड़नी है और कब अड़े रहना है, क्योंकि एक्टिंग के पेशे के बावजूद कई बार हम सृजनात्मक संतुष्टि के लिए काम करते हैं, तो कई बार ऐसा मौका भी आया कि मैंने अपनी प्राइज मनी छोड़ दी हो।श् श्मैंने यूट्यूब के लिए एक वेब सीरीज की थी और उसके लिए मैंने अपना मेहनताना छोड़ दिया था, मगर उसका जो रिस्पॉन्स आया था, उसका मोल कुछ हो ही नहीं सकता। उस वेब सीरीज का नाम था श्बेरोजगारश्। उस सीरीज के बाद मेरे करियर का ग्राफ भी बदला और लोगों का मुझ पर और यकीन पुख्ता हुआ। दर्शकों के आत्मविश्वास ने मुझे चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं करने के लिए प्रेरित किया है। अब जैसे मटका किंग में मेरा नो-मेकअप वाला रोल बहुत ही अर्थपूर्ण और चैलेंजिंग है।श

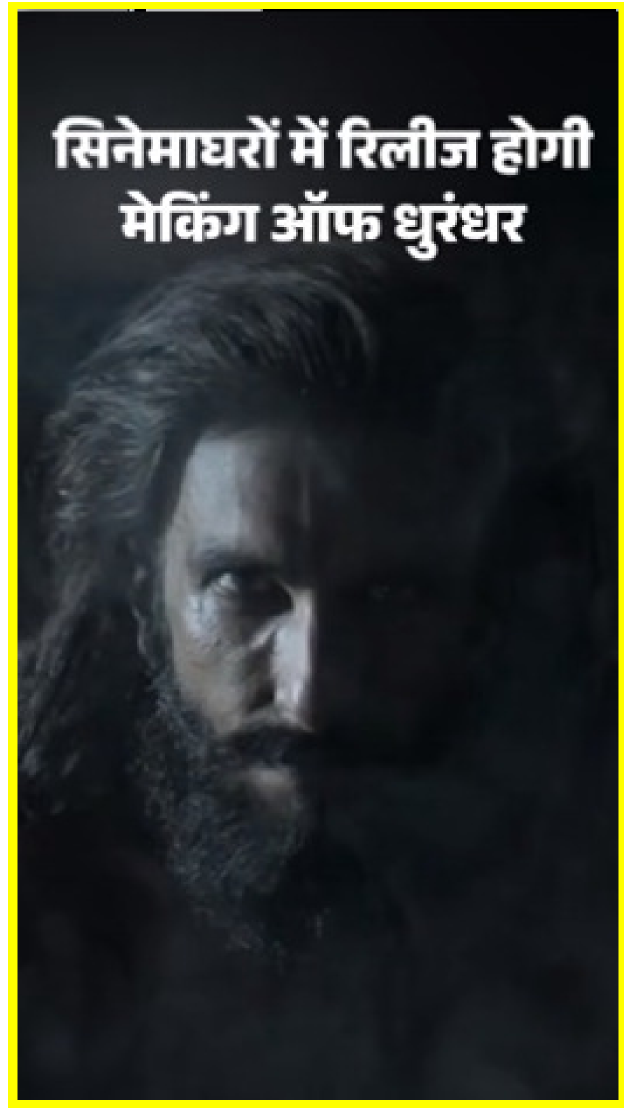

धुरंधर और धुरंधर 2 की कामयाबी के बाद अब डायरेक्टर आदित्य धर फैंस के लिए तीसरी बार धुरंधर को बड़े पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि ये कोई फिल्म नहीं होगी, बल्कि धुरंधर बनने की कहानी होगी।

मेकिंग ऑफ धुरंधर में फिल्ममेकिंग, शूटिंग के साथ-साथ फिल्म के कलाकारों के इंटरव्यू भी शामिल किए जाएंगे। फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर अक्सर अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्ममेकिंग के विजुअल्स शेयर करते रहते हैं, हालांकि हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अब फैंस बड़े पर्दे पर देख सकेंगे कि फिल्म के सभी किरदार कैसे बनाए गए और कैसे फिल्म के सभी भव्य शॉट शूट किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, धुरंधर और धुरंधर 2 से जुड़ा क्रेज देखते हुए मेकर्स ने इसकी मेकिंग की कहानी लाने का बड़ा फैसला लिया है। ये फिल्म इसी साल के अंत तक रिलीज की जाएगी, जिसके बाद इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाने की भी तैयारी है। बता दें कि फिल्म का ओटीटी पार्टनर नेटफ्लिक्स है। 19 मार्च को रिलीज हुई धुरंधर 2 धुरंधर 2, 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म का क्लैश पहले केजीएफ स्टार यश की फिल्म टॉक्सिक से होना था, हालांकि रिलीज से पहले ही टॉक्सिक की रिलीज टेड टाल दी गई। अब टॉक्सिक जून में रिलीज होगी। इसके अलावा भी क्लैश से बचने के लिए कई फिल्में टाल दी गईं। धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1758 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। ये भारत की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है।

कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और उनकी पत्नी कश्मीरा शाह के परिवार में लंबे समय से चल रही अनबन अब खत्म होती नजर आ रही है. उनकी मामी सुनीता आहूजा के साथ सालों पुराना विवाद अब सुलझ गया है. शो लाफ्टर शेफ के नए प्रोमो में इस सुलह की झलक देखने को मिली, जहां सुनीता आहूजा की एंट्री ने कृष्णा और कश्मीरा को चैंका दिया. मामी सुनीता आहूजा को देखते ही पैरों में गिर पड़ें कृष्णा अभिषेक शो लाफ्टर शेफ के नए एपिसोड का प्रोमों आया है. जिसमें सुनीता आहूजा की झलक देखने को मिली. उनकी एंट्री ने सबका ध्यान खींच लिया. उन्होंने जोर से कृष्णा अभिषेक का नाम पुकारते हुए सेट पर एंट्री की. उन्हें देखते ही कृष्णा और कश्मीरा शाह हैरान रह गए. और कुछ पल के लिए बिल्कुल चुप गए. इसके बाद कृष्णा तुरंत सब कुछ छोड़कर अपनी मामी के पैर छूने के लिए झुक गए. ये इमोशनल मोमेंट देख कश्मीरा की भी आंखें नम हो गई. वहीं सेट पर मौजूद बाकी लोग इस रीयूनियन को देखकर खुशी से हूटिंग और चीयर करते नजर आएं. ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. फैंस ने किया रिएक्ट इस इमोशनल मोमेंट पर फैंस ने भी जमकर रिएक्ट किया. एक यूजर ने लिखा, श्ये कमाल है, अगर गोविंदा जी भी आ जाते तो शो और खास हो जाता.श् वहीं दूसरे ने कहा, श्कृष्णा अभिषेक के लिए बहुत खुश हूं.श् एक और फैन ने लिखा, श्कृष्णा के चेहरे की मुस्कान बता रही है कि वो कितने खुश हैं, आखिरकार इंतजार खत्म हुआ.श् बता दें, इससे पहले तीनों को पैपराजी के साथ भी बातचीत करते और एक-दूसरे को गले लगाते देखा गया. सुनीता आहूजा ने इस मौके पर कहा, श14 साल के बाद आज वनवास खत्म हुआ है.श् वहीं कश्मीरा शाह ने मजाक में कहा, श्अब किसी और का शुरू होगा.श् सुनीता ने हंसते हुए जोड़ा, श्किस-किस की जलेगी, भगवान ही जाने.श् कृष्णा अभिषेक ने इस रीयूनियन को लेकर कहा, श्ये हमारे लिए बहुत बड़ा सरप्राइज था. हमें बिल्कुल नहीं पता था कि सुनीता आहूजा आज शो का हिस्सा बनने वाली हैं. उनका धन्यवाद कि उन्होंने इसके लिए हामी भरी. इसके साथ ही पिछले 12 सालों से चल रही सभी अफवाहों और खबरों पर अब विराम लग गया है.श् कहां से शुरु हुआ था विवाद? दरअसल, मामा गोविंदा और कृष्णा के बीच विवाद की शुरुआत तब हुई थी, जब गोविंदा को टीवी पर कृष्णा के कुछ जोक्स पसंद नहीं आए. इसके बाद सुनीता आहूजा भी कृष्णा और उनके परिवार से दूर हो गईं. माना जाता है कि कश्मीरा शाह के एक पुराने ट्वीट जिसमें श्पैसों के लिए नाचने वालोंश् की बात कही गई थी से भी विवाद और बढ़ गया, जिसे गोविंदा पर तंज माना गया. समय के साथ ये तनाव और गहरा होता गया और दोनों तरफ से कई बयान सामने आए. कभी कृष्णा ने आरोप लगाया कि गोविंदा उनके बच्चों से मिलने अस्पताल नहीं आए, तो वहीं गोविंदा ने उन्हें बेईमान तक कह दिया. 2024 में सुनीता ने यहां तक कहा था कि वो श्द कपिल शर्मा शोश् में इसलिए नहीं जातीं क्योंकि उसमें कृष्णा मौजूद रहते हैं. हालांकि, हाल ही में जब गोविंदा के पैर में गलती से गोली लग गई, तब कृष्णा और कश्मीरा उनसे अस्पताल में मिलने पहुंचे. इसी के साथ लंबे समय से चला आ रहा ये पारिवारिक विवाद अब खत्म होता नजर आ रहा है.

दूसरे आईएसएसएफ विश्व कप में भाग लेगी भारत की 12 सदस्यीय टीम, मैराज और रायजा ढिल्लों भी शामिल

नई दिल्ली। भारत की 12 सदस्यीय निशानेबाजी टीम साल के दूसरे आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में भाग लेगी। यह प्रतियोगिता चार मई से कजाखस्तान के अल्माटी में होगी। कजाखस्तान के अल्माटी में होने वाले इस साल के दूसरे आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में भारत की 12 सदस्यीय निशानेबाजी टीम भाग लेगी। भारतीय टीम शनिवार को आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। 10 दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में 42 देशों के 284 खिलाड़ी भाग लेंगे। भारतीय टीम के आठ सदस्य भी आरपीओ (केवल रैंकिंग अंक के लिए) निशानेबाज के रूप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। चार मई को शुरू होगी प्रतियोगिता प्रतियोगिता सोमवार (चार मई) को पुरुषों और महिलाओं के स्कीट क्वालिफायर के साथ शुरू होंगी। इस स्पर्धा के फाइनल पांच मई को होंगे। ट्रैप स्पर्धा के दो फाइनल नौ मई को, जबकि ट्रैप मिश्रित टीम का फाइनल अगले शनिवार यानी 10 मई को होगा। विश्व कप का पहला चरण मार्च में मोरक्को के तांजियर में खेला गया था। दूसरे चरण की प्रतियोगिता के पहले दिन तीन भारतीय ओलंपियन हिस्सा लेंगे। इनमें पुरुष स्कीट स्पर्धा में मैराज अहमद खान और अनंतजीत सिंह नारुका तथा महिला स्कीट स्पर्धा में रायजा ढिल्लों शामिल हैं। ये तीनों इस साल पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। भारत को इस प्रतियोगिता में इटली, फिनलैंड, डेनमार्क, चेक गणराज्य, साइप्रस, यूनान, पेरू और कतर जैसी मजबूत टीमों के शीर्ष निशानेबाजों से मुकाबला करना होगा।

मानुष शाह ने जीता निर्णायक मुकाबला

भारत की पुरुष टीम ने यहां आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के रोमांचक ग्रुप सात मुकाबले में वापसी करते हुए स्लोवाकिया को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ग्रुप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया और ग्वाटेमाला के खिलाफ अगले मुकाबले से पहले अपनी स्थिति मजबूत कर ली। स्लोवाकिया के खिलाफ मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा लेकिन अंत में भारत ने दबाव में धैर्य और दृढ़ता दिखाते हुए जीत हासिल की। स्लोवाकिया ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली जब दुनिया के 149वें नंबर के खिलाड़ी लुबोमीर पिस्टेज ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 51वीं रैंकिंग वाले मानुष शाह को पांच गेम में 11-8, 5-11, 8-11, 11-5, 11-6 से हरा दिया। भारत के दुनिया के 42वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने इसके बाद याकूब जेलिंका को सीधे गेम में 11-6, 11-8, 11-6 से हराकर मुकाबले को 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि तीसरे मुकाबले में स्लोवाकिया ने फिर से बढ़त बना ली जब वांग यांग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरमीत देसाई को 16-14, 11-5, 11-9 से हराया। भारत ने 1-2 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की। मानव एक बार फिर संकटमोचक बनकर उभरे और उन्होंने लुबोमीर को 11-3, 11-3, 11-3 से करारी शिकस्त देकर मुकाबला फिर से बराबर कर दिया। बाएं हाथ के खिलाड़ी मानुष ने निर्णायक मुकाबले में दबाव के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया और याकूब को 11-8, 11-8, 11-7 से हराकर भारत को 3-2 की महत्वपूर्ण जीत दिलाई। पुरुष और महिला टीम बृहस्पतिवार को ही अपने अंतिम ग्रुप मैच खेलेंगी।

वीरेंद्र सहवाग ने कार्तिक को दी धमकी, दोनों के बीच बातचीत के बाद गर्माया माहौल

भारत के पूर्व खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग और मुरली कार्तिक के बीच हो रही बातचीत अचानक उग्र हो गई। बात यहां तक पहुंच गई है कि सहवाग ने तो कार्तिक के मुंह पर रेड बुल स्प्रे करने की बात कह डाली। ये वाक्या बीते बुधवार मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए मुकाबले के बाद की बातचीत का है। सहवाग और मुरली कार्तिक क्रिकबज पर बात कर रहे थे। बातचीत में शार्दुल ठाकुर का जिक्र हुआ, जिन्हें मुंबई ने इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में टीम में शामिल किया पर बॉलिंग के लिए एक भी ओवर नहीं दिया। मुंबई के फैसले पर सहवाग और कार्तिक दोनों ही हैरान दिखाई दिए। शार्दुल को लेकर बात करते हुए मुरली कार्तिक ने कहा कि मुझे भी समझ नहीं आया। शायद वो उन्हें एक विकल्प के रूप में लाए हों, लेकिन शायद वो भूल गए हों या फिर कुछ और हो। मुझे वाकई समझ नहीं आया। पता नहीं क्यों, मेरा भी चेहरा बिल्कुल आपके जैसा ही है।

गुजरात से हार के बाद भी आरसीबी दूसरे स्थान पर कायम, ऑरेंज-पर्पल कैप की दौड़ में कौन आगे

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में 42 लीग मैच खेले जा चुके हैं। अब तक सभी टीमों ने अपने आधे से ज्यादा मैच खेल लिए हैं। पंजाब की टीम तालिका में शीर्ष पर कायम है, जबकि गुजरात के खिलाफ हार के बावजूद आरसीबी को नुकसान नहीं हुआ है। आईपीएल 2026 में गुरुवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को चार विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ गुजरात की टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर चली गई है। आरसीबी को हार का नुकसान नहीं हुआ है और टीम अभी भी दूसरे नंबर पर कायम है। आइए देखते हैं कि गुजरात-आरसीबी मैच के बाद अंक तालिका में कौन सी टीम किस स्थान पर है।

आईपीएल 2026 की अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
पंजाब	8	6	1	1	13	1.043
आरसीबी	9	6	3	0	12	1.42
हैदराबाद	9	6	3	0	12	0.832
राजस्थान	9	6	3	0	12	0.617
गुजरात	9	5	4	0	10	-0.192
सीएसके	8	3	5	0	6	-0.121
दिल्ली	8	3	5	0	6	-1.06
केकेआर	8	2	5	1	5	-0.751
मुंबई	8	2	6	0	4	-0.784
लखनऊ	8	2	6	0	4	-1.106

साथ ही ऑरेंज और पर्पल कैप किस खिलाड़ी के पास है। शीर्ष पर पंजाब का दबदबा पंजाब किंग्स आठ मैचों से 13 अंक लेकर पहले स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु नौ मैचों से 12 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद नौ मैचों में 12 अंक लेकर तीसरे और राजस्थान रॉयल्स नौ मैचों में 12 अंक लेकर चैथे स्थान पर है। गुजरात टाइटंस 9 मैचों में 10 अंक लेकर पांचवें, चेन्नई सुपर किंग्स आठ मैचों से छह अंक लेकर छठे, दिल्ली कैपिटल्स आठ मैचों से छह अंक लेकर सातवें, कोलकाता नाइट राइडर्स आठ मैचों से पांच अंक लेकर आठवें, मुंबई इंडियंस आठ मैचों से चार अंक लेकर नौवें और लखनऊ सुपर जाएंट्स आठ मैचों में छह अंक लेकर 10वें स्थान पर है। समान अंकों के बावजूद कई टीमों की रैंकिंग में उनकी रन रेट की वजह से अंतर है। भुवनेश्वर के पास पर्पल कैप गुजरात और आरसीबी के बीच मैच के बाद पर्पल कैप एक बार फिर भुवनेश्वर कुमार के पास चली गई है। आरसीबी के इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर के नौ मैचों में 17 विकेट हो गए हैं। सनराइजर्स के तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा दूसरे सफल गेंदबाज हैं। ईशान ने नौ मैचों में 15 विकेट लिए हैं। ऑरेंज कैप सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास मौजूद है। अभिषेक ने नौ मैचों में 425 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर सनराइजर्स के ही विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन हैं। क्लासेन के नौ मैचों में 414 रन हैं। तीसरे नंबर पर राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी हैं। वैभव ने नौ मैचों में 400 रन बनाए हैं।

गिल के आउट होने पर कोहली ने आक्रामक अंदाज में मनाया जश्न, गुजरात के कप्तान ने अब इस तरह कसा तंज

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस और आरसीबी के बीच मैच के बाद भी फनी बेंटर जारी है। मैच के दौरान कोहली ने गिल के आउट होने पर आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया था। अब गिल ने इंस्टाग्राम पर कोहली की फोटो डालकर एक पोस्ट के जरिये उनके मजे लिए हैं। आईपीएल 2026 में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। यह मैच भले ही हाई स्कोरिंग वाला नहीं रहा, लेकिन इसमें विराट कोहली और शुभमन गिल के बीच फनी बेंटर जरूर देखने मिला। कोहली मैदान पर आक्रामक रवैये के लिए जाने जाते हैं। कई बार वह अपने जोशीले अंदाज से विरोधी टीम को जवाब देते हैं। ऐसा हुई आरसीबी और गुजरात के बीच मैच के दौरान भी हुआ। कोहली ने पकड़ा गिल का कैच कोहली और गिल भारतीय टीम के दो स्टार खिलाड़ी हैं। लेकिन आईपीएल में ये आमने-सामने थे। गिल जहां

गुजरात की कप्तानी कर रहे हैं, वहीं कोहली आरसीबी के स्टार बल्लेबाज हैं। गुजरात ने इस मुकाबले में आरसीबी को चार विकेट से हराया, लेकिन मैदान पर उस वक्त दिलचस्प वाक्या देखने मिला जब गिल अपना विकेट गंवा बैठे। कोहली ने गिल का कैच लपका और जोश में जश्न मनाया। इसे देखकर गिल भी पवेलियन लौट गए। शुभमन गिल 18 गेंद में 43 रन बनाकर आउट हुए। इंस्टा पोस्ट के जरिये गिल ने लिए मजे कोहली के जश्न का जवाब गिल ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये दिया। गिल ने मैच के बाद एक फोटो शेयर की जिसमें कोहली नजर आ रहे हैं। उन्होंने जेसन होल्डर को टैग करते हुए लिखा, श्प्ले होल्ड होल्डर। आज टीम ने बोल्ड प्रदर्शन किया।श् गिल ने हालांकि पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कोहली की फोटो के साथ यह कैप्शन बताया है कि उन्होंने इस पोस्ट के जरिये आरसीबी के मजे लिए हैं। इससे पहले गिल ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच के बाद भी पीली सीटी पकड़े एक फोटो शेयर की थी। मैच का हाल अरशद खान की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल और जोस बटलर की दमदार बल्लेबाजी के बदौलत गुजरात टाइटंस ने आरसीबी के खिलाफ चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। गुरुवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने देवदत्त पडिक्कल की 40 रनों की पारी की मदद से 19.2 ओवर में 10 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम ने 15.5 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। गुजरात पांचवें स्थान पर मौजूद गुजरात की यह आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 26वीं जीत है। वहीं, 13 मुकाबलों में टीम को शिकस्त मिली है।

इंसान है, थोड़ा रहम करो.., जसप्रीत बुमराह के खराब प्रदर्शन पर किरोन पोलार्ड का बयान

मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक है। टीम लगातार हार झेल रही है और एक जीत के लिए तरस रही है। वहीं टीम और देश के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं। जिसके बाद बुमराह की आलोचना हो रही है। वहीं एमआई के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने खराब फॉर्म से जूझ रहे जसप्रीत बुमराह का समर्थन किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि, जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज का भी कभी-कभी दिन खराब हो सकता है या उनका सीजन अच्छा नहीं जा सकता।

उन्होंने भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने की अपील की है। बता दें कि, बुमराह ने आईपीएल के इतिहास में अपना तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल डाला। दरअसल, बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बुमराह ने 54 रन लुटाए। इस मैच में उन्हें कोई विकेट भी नसीब नहीं हुआ। हैदराबाद ने ये मैच 6 विकेट से जीता। मुंबई इंडियंस ने रियान रिकेल्टन के नाबाद 123 रन की मदद से पांच विकेट पर 234 रन बनाए, लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 249 रन बनाकर जीत हासिल की। वहीं जब पोलार्ड से बुमराह को लेकर सवाल किया गया तो, उन्होंने कहा कि जब कोई क्रिकेटर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा होता है तो हम हर उस पहलू पर गौर करते हैं कि वह अच्छा क्यों नहीं कर रहा है और जसप्रीत बुमराह के मामले में भी कोई फर्क नहीं है। पोलार्ड ने आगे कहा कि, बुमराह ने वर्षों से ऐसा किया है। एक इंसान होने के नाते आपको भी गलतियां करने, दिन खराब होने, सत्र खराब होने या कुछ महीने खराब जाने का हक है। मुझे बस लगता है कि हमें कभी-कभी उन अच्छी चीजों को याद रखना चाहिए जो उन्होंने की हैं। हां हम वर्तमान में जीने की कोशिश करते हैं और वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन वह लंबे समय से मुंबई और भारत के लिए नंबर एक गेंदबाज रहे हैं। मुझे बस लगता है कि कभी-कभी हम क्रिकेटरों को थोड़ी राहत दे सकते हैं।

अर्थ जगत

विमानों का किराया बढ़ने की आशंका- अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के जेट ईंधन 5: महंगे हुए, लगातार दूसरे महीने बढ़े दाम

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए जेट ईंधन पांच फीसदी महंगा हो गया है। लगातार दूसरे महीने कीमतों में उछाल आने से विमानों का किराया बढ़ने की आशंका है। हालांकि, फिलहाल घरेलू विमानों का किराया नहीं बढ़ेगा। अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत में शुक्रवार को 5 फीसदी की वृद्धि हुई। कीमतों में लगातार दूसरे महीने उछाल आई है, क्योंकि तेल कंपनियों ने ऊर्जा की वैश्विक कीमतों में वृद्धि को समायोजित तरीके से आगे बढ़ाया है। हालांकि, घरेलू एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ऐसे में अनुमान है कि घरेलू उड़ानों का किराया नहीं बढ़ेगा। दो दशक पहले हुआ था कीमतों का विनियमन एक मई के फैसले के बाद दिल्ली में एटीएफ की कीमतें 76.55 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोलीटर या 5.33 फीसदी बढ़कर 1511.86 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोलीटर हो गईं। एक अप्रैल को कीमतों में वृद्धि के बाद जेट फ्यूल एक मई को पांच फीसदी और महंगे हुए, यानी एक माह में दूसरी बार कीमतों में उछाल आया है। गौरतलब है कि जेट ईंधन की कीमतें दो दशक पहले विनियमित की गई थीं। विदेशी एयरलाइंस बाजार दरों का भुगतान करेंगी पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में भारी उछाल आया था। सरकार और राज्य-स्वामित्व वाली तेल कंपनियों ने एक समायोजित दृष्टिकोण अपनाया है। विदेशी एयरलाइंस बाजार दरों का भुगतान करेंगी, जबकि घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमतें नियंत्रित रखी गई हैं।

युद्ध ठंडा, फिर क्यों उबाल मार रहा कच्चा तेल? चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। ईरान युद्ध बढ़ने की आशंका के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतें 126 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। इसका मुख्य कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति में भारी कमी है। जब युद्ध अपने सबसे तेज दौर में था, तब कच्चे तेल ने इतनी बड़ी छलांग नहीं लगाई थी। लेकिन अब, जब बातचीत की कोशिशें दिख रही हैं और युद्ध की रफ्तार कुछ धीमी लग रही है, उसी समय ब्रेंट क्रूड 126 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया। यह विरोधाभास नहीं है। तेल बाजार युद्ध की आवाज नहीं, सप्लाई की सांस सुनता है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड 125 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया। जून में डिलीवरी मिलने वाला कच्चा तेल (ब्रेंट) 6.2 फीसदी उछलकर 125.36 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा। जुलाई डिलीवरी वाला ब्रेंट भी 3.1 फीसदी चढ़ा। याद दिलाते चलें कि युद्ध शुरू होने से पहले फरवरी के अंत में ब्रेंट करीब 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। यानी कुछ ही हफ्तों में बाजार की तस्वीर पूरी तरह बदल गई। दिन के दौरान ब्रेंट 126.41 डॉलर तक गया, हालांकि बाद में फिसलकर 115.98 डॉलर के आसपास आ गया। असल वजह है होर्मुज स्ट्रेट। यह दुनिया के तेल व्यापार की सबसे संवेदनशील समुद्री नसों में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (प्म।) के मुताबिक संकट से पहले होर्मुज से रोज 20 मिलियन बैरल से ज्यादा कच्चा तेल, छळस् और रिफाइंड उत्पाद निकलते थे। अप्रैल की शुरुआत में यह घटकर सिर्फ 3.8 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया। वैकल्पिक रास्तों से निर्यात जरूर बढ़कर 7.2 मिलियन बैरल प्रति दिन हुआ, लेकिन कुल निर्यात नुकसान अभी भी 13 मिलियन बैरल प्रति दिन से ज्यादा है। केडिया कमोडिटी के प्रमुख अजय केडिया इसी आंकड़े का संदर्भ देते हुए कहते हैं यही वह आंकड़ा है जिसने बाजार को बेचैन किया हुआ है। युद्ध रुक भी जाए, तो जहाज तुरंत नहीं चलेंगे। बीमा, रूट, बंदरगाह, लोडिंग और रिफाइनरी सप्लाई चेन को सामान्य होने में समय लगेगा। यही बात कच्चे तेल के बाजार को परेशान कर रही है। रॉयटर्स के एक हालिया पोल में विश्लेषकों ने कहा है कि शांति की बातचीत आगे बढ़ने पर भी मध्य-पूर्व से निर्यात धीरे-धीरे ही बहाल होगा। इसी वजह से 2026 के लिए ब्रेंट का औसत अनुमान बढ़ाकर 86.38 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है। तेल में इस तेजी की दूसरी बड़ी वजह ढूंढने के लिए जब हमने अर्थवृक्ष फाइनेंनशियल सर्विसेस के फाउंडर रविंद्र राव से बात की तो उन्होंने बताया कि सप्लाई प्रभावित होने की वजह से क्रूड की कीमतों में मजबूती देखने को मिल रही है। उनका कहना है कि ट्रंप ने साफ कहा है कि जब तक ईरान परमाणु समझौता नहीं करता, तक ईरान पर नौसैनिक नाकाबंदी जारी रहेगी, जिससे तेल की सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। राव कहते हैं कि जब बाजार को पता है कि तेल अभी नहीं मिल रहा, तो जो कॉन्ट्रैक्ट आज डिलीवरी का है वो सबसे ज्यादा महंगा हो जाता है। रिफाइनरी और ट्रेडर्स को अभी तेल चाहिए तो वो किसी भी कीमत पर खरीदने को तैयार हो जाते हैं वे जून या जुलाई का इंतजार नहीं कर सकते। साथ ही संयुक्त अरब अमीरात ने अचानक व्म्ब् छोड़ दिया, जिससे बाजार में और अनिश्चितता बढ़ गई और आपूर्ति की स्थिति और कमजोर हो गई। प्म। के आंकड़े बताते हैं मार्च में वैश्विक तेल भंडार 85 मिलियन बैरल घटा है। मध्य-पूर्व खाड़ी के बाहर स्टॉक में 205 मिलियन बैरल की बड़ी गिरावट आई। समुद्र में चल रहा तेल भी घटा है।

महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में आज शेयर बाजार बंद, सेंसेक्स-निफ्टी में नहीं होगी ट्रेडिंग

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के चलते बंद रहेगा। इस दौरान दोनों मुख्य स्टॉक एक्सचेंज- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयरों की खरीद-बिक्री नहीं होगी। आज भारत के घरेलू शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। अवकाश के चलते इक्विटी, डेरिवेटिव्स और एसएलबी सेगमेंट तीनों में कारोबार बंद रहेगा। सामान्य ट्रेडिंग अलगे सत्र यानी सोमवार, 4 मई को होगी। कमोडिटी मार्केट में आंशिक रूप से छुट्टी रहेगी। सुबह के सत्र (9 बजे से लेकर 5 बजे तक) में ट्रेडिंग बंद रहेगी, लेकिन शाम के सत्र (5 बजे से लेकर रात 11रू55 तक) में कारोबार सामान्य रहेगा। अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में भी कारोबार नहीं होगा इसके अतिरिक्त, देश का प्रमुख कृषि-वस्तु बाजार, नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडीईएक्स), सुबह और शाम दोनों सत्रों के लिए बंद रहेगा। गौरतलब है कि एक मई को महाराष्ट्र दिवस के साथ-साथ इंटरनेशनल लेबर डे भी मनाया जाता है। इस कारण एशिया के करीब सभी शेयर बाजार बंद रहते हैं। इसमें चीन, हांगकांग, इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, मॉरीशस, मलेशिया, वियतनाम, ताइवान, पाकिस्तान और श्रीलंका का नाम शामिल

हैं। यूरोप में फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, पोलैंड और अन्य देशों के बाजार भी आज अंतरराष्ट्रीय लेबर डे के कारण बंद रहेंगे। इसके अतिरिक्त, वैश्विक अस्थिरता और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स 582.86 अंक या 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,913.50 और निफ्टी 180.10 अंक या 0.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,997.55 पर था। लार्जकैप के साथ स्मॉलकैप और मिडकैप में भी कमजोरी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 592.05 अंक या 0.98 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,784.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 86 अंक या 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,007.15 पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा, मारुति सुजुकी और टीसीएस गेनर्स थे। इटरनल, एचयूएल, टाटा स्टील, एलएंडटी, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, एसबीआई, एक्सिस बैंक, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, इंडिगो, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक और पावर ग्रिड लूजर्स थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।